Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पताः- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 13 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, मंगलवार 11 नवंबर 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

नारकोटिक्स ब्यूरो इंस्पेक्टर के लिए 20,000 रिश्वत लेते दलाल अकरम हुसैन रंगे हाथों गिरफ्तार

कोटा। एसीबी मुख्यालय, जयपुर के निर्देश पर कोटा एसीबी स्पेशल यूनिट द्वारा कार्यवाही करते हुए आरोपी दलाल अकरम हुसैन को केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो इंस्पेक्टर भवानीमंडी हितेश कुमार के लिए 20 हजार रूपये भारतीय मुद्रा एवं डमी नोट रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की कोटा स्पेशल यूनिट को परिवादी ने एक लिखित शिकायत इस आशय की पेश की, कि परिवादी के पिता को केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो भवानीमंडी के इंस्पेक्टर हितेश कुमार व एक व्यक्ति को परिवादी के घर से उठाकर लेकर गये थे जिनके द्वारा परिवादी के पिता को झूठे मुकदमें में फसानें की धमकी देकर 3 लाख रूपये रिश्वत राशि की मांग की जा रही थी। जिस पर एसीबी रेंज कोटा के प्रभारी उप महानिरीक्षक आनन्द शर्मा के सुपरविजन में एसीबी स्पेशल यूनिट के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकुल शर्मा द्वारा शिकायत का सत्यापन करवाया गया। परिवादी से दलाल अकरम हुसैन द्वारा 3 लाख रूपये की मांग किया जाना सही पाया गया। बाद में सत्यापन ट्रेप कार्यवाही का आयोजन किया गया, ट्रेप कार्यवाही के दौराने आरोपी दलाल अकरम हुसैन को केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो भवानीमंडी के इंस्पेक्टर हितेश कुमार के लिए 20 हजार रूपये भारतीय मुद्रा एंव डमी नोट रिश्वत लेते रंगे हाथों डिटेन कर आरोपी को गिरफ्तार किया । आरोपी हितेश कुमार मौके से अंधेरे का लाभ लेकर फरार हो गया जिसकी तलाश जारी है।

स्मिता श्रीवास्तव अति. महानिदेशक पुलिस, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो राजस्थान जयपुर के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ व कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (यथा संशोधित 2018) के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

एनसीआर में ठंड ने दस्तक दी, न्यूनतम पारा 11 डिग्री तक गिरने की संभावना, वायु गुणवत्ता बेहद खराब

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में मौसम का रुख लगातार बदलता जा रहा है। नवंबर के दूसरे सप्ताह में ही सर्दी ने अपनी मौजूदगी दर्ज करानी शुरू कर दी है। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, सोमवार को न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि आने वाले दिनों में पारा और नीचे खिसकने की संभावना है। 11 नवंबर से 15 नवंबर तक न्यूनतम तापमान 11 डिग्री तक पहुँच सकता है। अधिकतम तापमान 26 से 27 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है। इस दौरान सुबह और देर रात घना कोहरा छाने की भी संभावना जताई गई है, जिससे सड़कों पर दृश्यता कम हो सकती है। दूसरी ओर, एनसीआर में वायु प्रदूषण की स्थिति खराब से बेहद खराब स्तर पर पहुंच चुकी है। दिल्ली के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स 350 से ऊपर दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' से 'गंभीर' श्रेणी के बीच माना जाता है। बवाना में एक्यूआई 400 से ऊपर रिकॉर्ड किया गया, जबकि अलिपुर, आनंद विहार, अशोक विहार और बुराड़ी में 350 से 390 के बीच रहा। यह स्तर स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है, खासकर बुजुर्गों, बच्चों और उन लोगों के लिए जिन्हें पहले से सांस से जुड़ी दिक्कतें हैं। नोएडा में भी स्थिति चिंताजनक है।

आईटीआई कॉलेजों में आएगा बड़ा बदलाव

अब छत्तीसगढ़ में हर साल 10,000 युवा सीखेंगे आधुनिक तकनीक

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुजरात के NAMTECH कॉलेज का किया दौरा

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज गुजरात के गांधीनगर स्थित NAMTECH का भ्रमण किया। यह संस्थान मैन्युफैक्चरिंग, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी की पढ़ाई को नवीन और आधुनिक तरीके से सिखाने के लिए जाना जाता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गुजरात महात्मा गांधी और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पवित्र

भूमि है, जिसने पूरे देश को विकास, आत्मनिर्भरता और नवाचार का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि छत्तीसगढ़ में भी ऐसे संस्थान स्थापित हों, जहाँ युवाओं को आधुनिक तकनीक और औद्योगिक प्रशिक्षण का अवसर मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को स्वरोजगार, तकनीकी ज्ञान और उद्योगों से जोड़ने की दिशा में तेज़ी से कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कॉलेज पहुंचकर वहाँ की शिक्षण पद्धति, आधुनिक प्रयोगशालाएँ और तकनीकी सुविधाएँ ध्यानपूर्वक देखीं। उन्होंने छात्रों से बातचीत की और यह जाना कि वे किस प्रकार प्रोजेक्ट्स और मशीनों पर कार्य करते हुए व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से उनके अनुभवों और भविष्य की योजनाओं के बारे में भी चर्चा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि अब राज्य के आईटीआई कॉलेजों को इस तरह विकसित करने की योजना है, जिससे युवाओं को स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन जैसी नई तकनीकों की जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के कॉलेजों में आधुनिक मशीनें और डिजिटल प्रशिक्षण सुविधाएँ शुरू की जाएंगी, ताकि छात्र पढ़ाई के साथ-साथ वास्तविक कार्य कौशल भी विकसित कर सकें। NAMTECH कॉलेज के प्रबंधन ने मुख्यमंत्री श्री साय को अवगत कराया कि गुजरात में उन्होंने एक ऐसा मॉडल अपनाया है, जिसके अंतर्गत कॉलेजों को आपस में जोड़कर शिक्षा को और अधिक प्रभावी बनाया गया है। वहाँ के छात्र अब नई तकनीक सीखकर सीधे उद्योगों में काम करने में सक्षम हो रहे हैं। कॉलेज प्रबंधन ने यह भी बताया कि वे छत्तीसगढ़ में भी इसी प्रकार सहयोग करने के इच्छुक हैं, ताकि राज्य के आईटीआई कॉलेज भी आधुनिक बन सकें। योजना है कि कुछ कॉलेजों को जोड़कर एक नेटवर्क मॉडल तैयार किया जाए, जहाँ एक कॉलेज नई तकनीक में दक्ष हो और वही ज्ञान अन्य कॉलेजों तक पहुँचाए। यह नया मॉडल छत्तीसगढ़ में लागू होने से हर वर्ष लगभग 10,000 से अधिक युवाओं को नई तकनीक और आधुनिक उद्योगों से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया जा सकेगा। इससे छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ वास्तविक कार्य अनुभव प्राप्त होगा। वे मशीनों, ऑटोमेशन और नई इंजीनियरिंग विधियों की गहराई से समझ विकसित कर सकेंगे। इस प्रकार उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे और वे देश के बड़े औद्योगिक प्रोजेक्ट्स में कार्य करने के लिए तैयार हो सकेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने में छत्तीसगढ़ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा, युवा छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताक़त हैं। छत्तीसगढ़ अब ऐसे युवाओं को तैयार कर रहा है, जो नई सोच और आधुनिक तकनीक के साथ विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

पाकिस्तान कर रहा भारत के पढ़े-लिखे लोगों का ब्रेनवॉश, 360 किलो विस्फोटक मिलने के बाद हुए बड़े खुलासे

नई दिल्ली (एजेंसी)। फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी में रह रहे डॉक्टर मुजम्मिल की गिरफ्तारी और एक कमरे से 360 किलो विस्फोटक सामग्री बरामद होने से पूरे देश में सनसनी फैल गई। इस मामले में जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश और फरीदाबाद पुलिस की संयुक्त कार्रवाई से एक बड़ी आतंकी साजिश को समय रहते नाकाम कर दिया गया।

पूर्व डीजीपी डॉ. एसपी वैद ने कहा, बहुत बड़ा हादसा हो सकता था, लेकिन पुलिस की सतर्कता से एक बड़ी त्रासदी टल गई। फरीदाबाद पुलिस, जम्मू-कश्मीर पुलिस और यूपी पुलिस ने मिलकर शानदार काम किया है। जनता इन अधिकारियों के प्रयासों की सराहना करती है।

उन्होंने बताया, यह मामला बेहद चौंकाने वाला है, क्योंकि इसमें डॉक्टर जैसे शिक्षित और सम्मानित पेशेवर आतंकवाद में शामिल पाए गए हैं। पाकिस्तान किस तरह धार्मिक ब्रेनवॉशिंग के जरिए पढ़े-लिखे लोगों को भी अपने जाल में फंसा रहा है, यह उसका जीता-जागता

उदाहरण है। चाहे कोई पीएचडी हो, डॉक्टर हो, इंजीनियर हो या किसी कंपनी का वाइस प्रेसीडेंट, किसी को भी अपनी गिरफ्त में ले सकती है।

डॉ. वैद ने कहा कि यूपी पुलिस की मदद से जम्मू-कश्मीर पुलिस ने डॉक्टर आदिल को गिरफ्तार किया था। आदिल से पूछताछ के दौरान डॉक्टर मुजम्मिल का नाम सामने आया, जिसे फरीदाबाद से गिरफ्तार कर लिया गया। अब तक की जांच में पता चला है कि बरामद 360 किलो अमोनियम नाइट्रेट आईईडी बनाने के लिएसंभालकरर रखी गई थी। इसके साथ ही एक असॉल्ट राइफल और पिस्तौल भी बरामद हुई है। यह सब एक ही बड़ी साजिश का हिस्सा है। अब यह पता लगाना जरूरी है कि यह विस्फोटक किस वाहन से लाया गया, किसने मदद की और देश में ऐसे कितने मॉड्यूल सक्रिय हैं।

इस बीच रक्षा विशेषज्ञ कैप्टन अनिल गौर (सेवानिवृत्त) ने बताया कि 27 अक्टूबर को कश्मीर घाटी में कुछ पोस्टर लगाए गए थे। जांच में पता चला कि इन्हें डॉक्टर आदिल अहमद नाम के व्यक्ति ने लगाया था। जब उसे गिरफ्तार किया गया और उसका लॉकर खोला गया, तो उसमें एक एके-47 राइफल बरामद हुई। जांच में यह भी सामने आया कि वह जीएमसी श्रीनगर में अक्टूबर 2024 तक रजिस्टर्ड डॉक्टर था। जांच आगे बढ़ी तो जम्मू कश्मीर पुलिस डॉ. मुजम्मिल तक जा पहुंची। वहीं पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह ने कहा, यह पहली बार है जब अत्यंत शिक्षित पेशेवरों को आतंकियों ने अपने नेटवर्क में शामिल किया है।

बॉलीवुड अभिनेता धर्मेंद्र अस्पताल में भर्ती, गंभीर बताई जा रही हालत, फैंस की बढ़ी धड़कनें

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के चमकते सितारे धर्मेंद्र इन दिनों अपनी सेहत को लेकर चर्चा में हैं। वह मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती हैं। आईएएनएस के करीबी सूत्रों की मानें तो उनकी हालत गंभीर है और वह वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। यह खबर सुनकर उनके प्रशंसक और फिल्म जगत के लोग चिंतित हैं। सूत्रों की जानकारी के अनुसार, धर्मेंद्र रुटीन चेकअप के लिए अस्पताल गए थे, लेकिन कुछ जांचों और चिकित्सकों की सलाह के बाद उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती करना पड़ा। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है और उन्हें लाइफ सपोर्ट पर रखा गया है।

डॉक्टर लगातार उनकी हालत पर नजर बनाए हुए हैं और उनके इलाज के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। धर्मेंद्र की बारे में बात करें तो

उनका नाम भारतीय सिनेमा में हमेशा एक चमकते सितारे के रूप में लिया जाता रहा है। छह दशक लंबे अपने फिल्मी करियर में उन्होंने 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। उन्हें 2012 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। धर्मेंद्र ने 1960 में 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' से अपने करियर की शुरुआत की थी।

इसके बाद उन्होंने कई हिट फिल्में दीं, जिनमें 'फूल और पत्थर', 'सीता और गीता', 'शोले', 'धर्मवीर', 'आंखें', 'राजा जानी', 'गुलामी', 'प्रतिज्ञा', 'नया जमाना', 'द बर्निंग ट्रेन', और 'यादों की बारात' जैसी फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों ने उन्हें न केवल एक हीरो के रूप में स्थापित किया, बल्कि दर्शकों के दिल में भी अमिट छाप छोड़ी। 1990 के बाद उन्होंने लीड रोल के बजाय साइड रोल निभाए, जैसे 'प्यार किया तो डरना क्या', 'अपने', 'यमला पगला दीवाना', और 2024 में रिलीज हुई फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' इसके परफेक्ट उदाहरण हैं। वह अब मैडॉक फिल्म्स की फिल्म 'इक्कीस' के जरिए एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। धर्मेंद्र न केवल फिल्मों बल्कि अपने सादगी भरे व्यक्तित्व और हंसमुख स्वभाव के लिए भी जाने जाते हैं। अस्पताल में भर्ती होने की खबर के बाद फैंस उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

हाईकोर्ट जाइये, सुप्रीम कोर्ट ने सांसद अमृतपाल सिंह की एनएसए याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। खडूर साहिब से खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल सिंह को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (ह्लस्र्) लगाने को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर सर्वोच्च अदालत ने सीधी सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि वे पहले हाईकोर्ट का रुख करें। अदालत ने संबंधित हाईकोर्ट को निर्देश दिया कि मामला दायर होने के बाद छह सप्ताह के भीतर इसकी सुनवाई पूरी की जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजनैया की पीठ ने दिया।

31 अक्टूबर को इस संबंध में सांसद अमृतपाल ने याचिका दायर कर एनएसए लगाने का विरोध किया था। सुप्रीम कोर्ट ने आज कहा कि आपको यहां आने से पहले हाईकोर्ट जाना चाहिए। अदालत ने हाईकोर्ट को छह सप्ताह के भीतर इस मामले की सुनवाई पूरी करने के निर्देश दिए हैं। दायर याचिका में भारत सरकार, पंजाब सरकार के अलावा अमृतसर के डीसी, अमृतसर के एसएसपी रूरल व सुपरिटेंडेंट डिब्रूगढ़

जेल को भी पार्टी बनाया गया था। अमृतपाल के वकीलों की दलील दी थी कि एनएसए लगाना उनकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन है। उनकी हिरासत खत्म की जानी चाहिए।

अमृतपाल की याचिका में यह भी मांग की गई थी कि उन्हें संसद सत्रों में हिस्सा लेने की अनुमति दी जाए, जिसे अब तक उनकी हिरासत के कारण रोका गया है। अमृतपाल की याचिका में यह भी कहा गया कि एक सांसद का कामकाज रोकना उनके निर्वाचन क्षेत्र के लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन है।

सरकार का बड़ा ऐलान, सभी स्कूलों में 'वंदे मातरा' गाना होगा अनिवार्य

गोरखपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में आयोजित एकता पदयात्रा के दौरान घोषणा की कि उत्तर प्रदेश के सभी स्कूलों में 'वंदे मातरम्' का गायन अनिवार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा, कोई मजहब राष्ट्र से बढ़कर नहीं हो सकता। 'वंदे मातरम्' ने आज़ादी के आंदोलन में भारत की सोई हुई चेतना जगाई थी, आज उसका विरोध उचित नहीं।

भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में सोमवार को निकाली गई एकता पदयात्रा में सीएम ने कहा कि राष्ट्रगीत का सम्मान सभी का कर्तव्य है। उनके अनुसार, जो व्यक्ति, मत या मजहब राष्ट्र के आड़े आता है, उसे समाज को बांटने नहीं दिया जा सकता।

उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति, मत या मजहब राष्ट्र से बड़ा नहीं हो सकता। जो व्यक्ति आस्था या राष्ट्र के आड़े आए, उसे एक छोर पर रख देना चाहिए। कुछ लोगों के लिए आज भी उनका व्यक्तिगत मत और मजहब बड़ा है। सपा के एक सासंद द्वारा वंदे मातरम गाने से इनकार करने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे लोग जिन्ना को सम्मान देने

के लिए होने वाले कार्यक्रम में तो शामिल होते हैं लेकिन सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं होते।

हमारा दायित्व बनता है हम उन कारणों को ढूंढें, जो समाज को बांटने वाले हैं। जाति, क्षेत्र, भाषा के नाम पर विभाजन नए जिन्ना को पैदा करने की साजिश का हिस्सा है। हमे ध्यान रखना होगा कि भारत के अंदर फिर से कोई जिन्ना न पैदा होने पाए। अगर जिन्ना पैदा होने का साहस करता है तो उससे चुनौती मिलने से पहले ही दफन कर देना होगा।

केंद्र सरकार के कदम खींचने के बाद भी पंजाब यूनिवर्सिटी में प्रदर्शन जारी

चंडीगढ़। शिक्षा मंत्रालय पंजाब यूनिवर्सिटी (पीयू) के सीनेट में ढांचागत बदलावों को रद्द करवाने से जुड़ी छात्रों की मांग पहले ही मान चुका है, लेकिन अब छात्र सीनेट चुनाव की तारीख की घोषणा की मांग कर रह हैं। उनका कहना है कि तारीख की घोषणा होने के बाद ही प्रदर्शन वापस लिया जाएगा। इसे लेकर सोमवार सुबह से ही छात्र बड़ी संख्या में कुलपति कार्यालय के बाहर जुटने लगे। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं, वहीं कैंपस के आसपास की दुकानें और दफ्तर बंद रखने की अपील की गई है। दरअसल, यह विरोध उस समय शुरू हुआ।

रिपोर्ट के बाद बैन से इनकार

एनजीटी ने एस्बेस्टस-सीमेंट शीट को सुरक्षित माना, स्वास्थ्य पर कोई खतरा नहीं

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने देश के निर्माण क्षेत्र के लिए एक बड़ा फैसला सुनाते हुए एस्बेस्टस-सीमेंट शीट्स पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने से इनकार किया है। अधिकरण ने कहा कि अब तक कोई ठोस वैज्ञानिक प्रमाण नहीं मिला है जिससे यह साबित हो सके कि एस्बेस्टस-सीमेंट शीट्स के सामान्य उपयोग से जनता के स्वास्थ्य को कोई खतरा है। यह फैसला डॉ. राजा सिंह बनाम भारत सरकार मामले में सुनाया गया।

यह निर्णय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (स्नश्वस्न×ष्ट) द्वारा गठित एक बहुविषयक विशेषज्ञ समिति की विस्तृत जांच रिपोर्ट पर आधारित

है। समिति ने अपने निष्कर्षों में कहा कि स्कूलों या अन्य शैक्षणिक संस्थानों में प्रयुक्त एस्बेस्टस-सीमेंट शीट्स से किसी प्रकार का स्वास्थ्य खतरा नहीं पाया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि एस्बेस्टोसिस जैसी बीमारी केवल उन कर्मचारियों में देखने को मिल सकती है जो लंबे समय तक उच्च सांद्रता वाले एस्बेस्टस धूल के संपर्क में रहते हैं।

विशेषज्ञों की राय और तकनीकी पहलू

विशेषज्ञों के अनुसार, एस्बेस्टस-सीमेंट शीट्स में एस्बेस्टस फाइबर सीमेंट के भीतर मजबूती से बंद रहते हैं, जिससे ये टिकाऊ, स्थिर और गैर-भुरभुरे होते हैं। समिति ने पाया कि सामान्य उपयोग के दौरान हवा में मौजूद एस्बेस्टस फाइबर का स्तर अनुमेय सीमा से काफी नीचे रहता है। साथ ही यह भी सुझाव दिया गया कि शीट्स की स्थापना या हटाने के समय सुरक्षा मानकों का पालन किया जाए ताकि किसी भी प्रकार के जोखिम को न्यूनतम किया जा सके।

एनजीटी का फैसला और दिशा-निर्देश

एनजीटी ने कहा कि एस्बेस्टस-सीमेंट उत्पादों के उपयोग पर अंधाधुंध प्रतिबंध उचित नहीं होगा क्योंकि यह ग्रामीण भारत में सस्ते और टिकाऊ आवास विकास को प्रभावित कर सकता है।

अधिकरण ने कहा कि वैज्ञानिक तरीके से विनियमन और मानक तय कर सुरक्षित उपयोग को सुनिश्चित किया जा सकता है। साथ ही, मंत्रालय को निर्देश दिया गया कि छह महीने के भीतर वैज्ञानिक साक्ष्यों और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं की समीक्षा कर नीति तैयार की जाए। इसमें निर्माण, रखरखाव, हटाने और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश शामिल करने को कहा गया है। निर्माण उद्योग ने एनजीटी के इस निर्णय का स्वागत किया है। उद्योग संगठनों ने कहा कि यह फैसला विज्ञान-आधारित नियमन और जिम्मेदार विनिर्माण की पुष्टि करता है।

क्या है '50 लाख का गेम'? तिरुपति लड्डू में मिलावट के तार टीटीडी के पूर्व चेयरमैन के सहायक से जुड़े

तिरुपति। देश के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल तिरुपति मंदिरों में हर साल पहुंचने वाले लाखों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े प्रसाद (लड्डू) को लेकर एक सनसनीखेज खुलासा हुआ है। बीते साल इन लड्डुओं में जानवरों की चर्बी मिला घी इस्तेमाल किए जाने का मामला सामने आया था, जो सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा।

अब इस केस की जांच में 50 लाख रुपये के बड़े लेनदेन (रिश्वत) की बात सामने आई है। जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि तिरुमला तिरुपति देवस्थानम को घी सप्लाई करने के मामले में यह गड़बड़ी हुई है। यह रकम तिरुपति मंदिर ट्रस्ट के तत्कालीन चेयरमैन वाईवी सुब्बा रेड्डी के सहायक के. चिन्नाप्पन्ना को दी गई थी।

जांच के अनुसार, वाईवी सुब्बा रेड्डी (जो तब लोकसभा सांसद थे और अब राज्यसभा में हैं) के निजी सहायक के. चिन्नप्पन्ना को 50 लाख रुपये कैश मिले थे।

इसकी अनुमति कैसे दी गई , बेंगलुरु एयरपोर्ट में पढ़ी गई नमाज, भाजपा-कांग्रेस आमने सामने

बेंगलुरु (एजेंसी)। केंपेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 के भीतर कुछ लोगों द्वारा नमाज़ अदा किए जाने का वीडियो/विवरण सामने आने के बाद राजनीतिक विवाद तेज़ हो गया है। कर्नाटक भाजपा ने इसे सुरक्षा में चूक करार देते हुए कांग्रेस सरकार पर डबल स्टैंडर्ड अपनाने का आरोप लगाया और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया तथा मंत्री प्रियांक खड़गे से जवाब मांगा है।

भाजपा प्रवक्ता विजय प्रसाद ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'ङ्ग' पर पोस्ट कर पूछा कि हाई-सिक्योरिटी वाले एयरपोर्ट टर्मिनल के भीतर ऐसी गतिविधि की अनुमति कैसे दी गई। उन्होंने पूछा कि क्या संबंधित लोगों ने पहले से आधिकारिक अनुमति ली थी। प्रसाद के मुताबिक, जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्थानीय प्रशासन से अनुमति लेकर पथ-संचलन करता है तो सरकार आपत्ति जताती है, लेकिन प्रतिबंधित/संवेदनशील सार्वजनिक क्षेत्र में इस तरह की गतिविधि पर आंखें मूंद ली जाती हैं—क्या यह गंभीर सुरक्षा चिंता नहीं है?

कांग्रेस नेता प्रियांक ख़ड़गे की पृष्ठभूमि टिप्पणी

विवाद ऐसे समय में उभरा है, जब 3 नवंबर 2025 को मंत्री प्रियांक ख़ड़गे ने RSS की ट्रांसपेरेंसी पर सवाल उठाते हुए उसे औपचारिक रूप से संगठन के रूप में रजिस्टर कराने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि उन्हें क्रस्स् से समस्या नहीं है, बशर्ते वह गतिविधियों के लिए सरकारी अनुमति ले और क़ानूनी ढांचे का पालन करे।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने भूकेल में 'सरस्वती सायकल' का किया वितरण

अब बच्चों को मिलेगी नई उड़ान, बच्चों के घर से स्कूल की दूरी होगी कम

बसना(समय दर्शन)। बसना ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़ने और उनकी विद्यालय तक पहुंच को सरल बनाने के उद्देश्य से बसना विधानसभा क्षेत्र के ग्राम भूकेल स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी एवं हिंदी उत्कृष्ट विद्यालय में सोमवार को नि:शुल्क सरस्वती सायकल वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर बसना के विधायक डॉ. संपत अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और अपने हाथों से छात्र-छात्राओं को सायकल वितरित की।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना कर की, जिसके बाद सायकल वितरण का सिलसिला शुरू हुआ। छात्र-छात्राओं को नई सायकल मिलने पर उनके चेहरे पर खुशी और उत्साह साफझलक रहा था।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. अग्रवाल ने कहा कि यह सायकल वितरण योजना छत्तीसगढ़ सरकार की एक अत्यंत सार्थक पहल है। उन्होंने अपने उद्बोधन में जोर देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए यह योजना विद्यालय तक पहुंच को सरल बनाते हुए शिक्षा के प्रति उत्साह और निरंतरता को प्रोत्साहित करती है। अब दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले मेरे प्यारे बच्चों को स्कूल आने में कोई परेशानी नहीं होगी। यह सायकलें आपको न केवल स्कूल तक पहुंचाएंगी, बल्कि आपके भविष्य निर्माण की गति को भी बढ़ाएंगी।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने विशेष रूप से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप सभी देश का भविष्य हैं। यह सायकलें आपको एक सुविधा दे रही हैं, लेकिन आपका असली लक्ष्य अपनी शिक्षा पर केंद्रित करना होना चाहिए। मेहनत करें, लगन से पढ़ें और अपने माता-पिता के साथ-साथ इस क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन करें। याद रखें, दुनिया में शिक्षा ही सबसे बड़ा धन है। कार्यक्रम समाप्ति के बाद विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने मीडिया के साथियों, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी कर्मचारियों से चर्चा कर शिक्षा के मूलभूत ढांचे को मजबूत करने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने तथा बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए प्रतिबद्धता पर सार्थक चर्चा किया। इस अवसर पर जनपद पंचायत उपाध्यक्ष मोहित पटेल, सरपंच त्रिलोचन भोई, सरपंच कांता सिदार, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता रीतिराम पटेल, उपसरपंच लखेश्वर पटेल, गोरिया रियाज मोहम्मद, अध्यक्ष स्वच्छ सागर चंद्र कश्यप , सोसायटी अध्यक्ष केदार पटेल, विधायक प्रतिनिधि अरविंद मिश्रा, वरिष्ठ अनिल सिंह,जनपद सदस्य अरुण साहू, पंचगण शिव,पंच प्रतिनिधि किरण यादव, गंगाराम, प्राचार्य चक्रधर पटेल, कुशल मंच संचालन कर रहे विजय शंकर विशाल सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-खबर

पाटन के पत्रकारों ने गुजरात में सुनी भागवत कथा, कृष्णावल्भ स्वामी से लिया आशीर्वाद, जल्द है छत्तीसगढ़ प्रवास पर आएंगे स्वामी

पाटन (समय दर्शन)। पाटन जिला दुर्ग के पत्रकारों का एक दल गुजरात प्रवास पर है। इस दौरान पत्रकारों ने गुजरात के द्वारका शहर में आयोजित भागवत कथा का रसपान भी किया। कथा वाचक सहजानंद गुरुकुल के संयोजक कृष्णावल्भ स्वामी से सभी पत्रकारों ने कथा प्रथम दिवस का विश्राम के बाद मुलाकात किया। शाल श्रीफल भेंट कर कथा वाचक कृष्णावल्भ स्वामी का सम्मान भी किया। इस दौरान स्वामी जी छत्तीसगढ़ प्रवास की जानकारी दी। इस अवसर पर पत्रकार संघ के अध्यक्ष किशन हिरवानी, वरिष्ठ पत्रकार संदीप मिश्रा, बलराम यादव, टिकेंद्र वर्मा, भेद प्रकाश वर्मा मौजूद रहें ।

तर्रा विश्राम गृह में भाजपा की बैठक, एस आई आर के विषय पर दिशा निर्देश जारी

पाटन (समय दर्शन)। तर्रा रेस्ट हाउस में स्ट्रक्र के संबंध में महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रमुख रूप से भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री श्री विनोद अरोरा जी महामंत्री श्री दिलीप साहू जी भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुश्री सरिता मिश्रा मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर सांसद प्रतिनिधि श्री राजेश चंद्राकर पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री लोकमणि चंद्राकर जनपद पंचायत पाटन के अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक अमलेश्वर नगर पालिका के अध्यक्ष श्री दयानंद सोनकर महामंत्री धर्मेंद्र कौशिकजी कैलाश यादव मंडल के उपाध्यक्ष गन पालिका के पाषर्दगण आसपास के सरपंच गण और देव तुल्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पाटन में पंडित युवराज पांडे के मुखारविंद से चल रहा हैं भागवत महापुराण कथा, बड़ी संख्या में श्रद्धालु कर रहे हैं कथा का रसपान

पाटन (समय दर्शन)। नगर पंचायत पाटन अंतर्गत अखरा में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र कश्यप के धर्मपत्नी स्वर्गीय श्रीमती मीना कश्यप की स्मृति में श्रीमद् भागवत ज्ञान सप्ताह का आयोजन किया गया है।

राष्ट्रीय कथा वाचक आचार्य पंडित युवराज पांडे श्री जगन्नाथ मंदिर अमली पदर देवभोग जिला गरियाबंद वाले के मुखारविंद से कथा का रसपान श्रद्धालु कर रहे है। आपको बता दें कथा दशहरा मैदान अखरा पाटन में दोपहर 1:00 बजे से शुरू होती है। आज 08 नवंबर कथा का दूसरा दिन है। श्रीमद् भागवत कथा आज से लगातार 13 नवंबर तक श्रद्धालु कथा का रसपान करेंगे। सुदामा चरित्र, तुलसी वर्षा गीता दान हवन पूजन महाप्रसादी भोग भंडारा एवं शोभायात्रा के साथ कथा में विराम लगेगी। मौके पर भूपेंद्र कश्यप, भूपेश कश्यप, अमन कश्यप, मिशिका ,महेंद्र कश्यप, नर्सिंग, बिरेंद्र ,रमन, किशोर, राहुल, विवेक, शलभ ,अंकुश ,पुरुषोत्तम कश्यप सहित पूरा कश्यप परिवार कथा का श्रवणपान कर रहे है ।

यशड्रीम रियल इस्टेट लिमिटेड के निवेशकों को राशि वापस

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर कार्यालय की चिटफंड शाखा में यशड्रीम रियल इस्टेट लिमिटेड कंपनी की संपत्ति की नीलामी से प्राप्त राशि, निवेशकों को वापसी के संबंध में आवेदन प्रस्तुत करने की प्रक्रिया जारी है। इस संबंध में जिन निवेशकों ने आवेदन पत्र प्रस्तुत किए हैं, उनमें से कुछ के दस्तावेज़ों में कमी पाई गई है, जिसके कारण उन्हें भुगतान रोका गया है। चिटफंड शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुछ निवेशको (सूची संलग्न) द्वारा अपने आवेदन पत्र के साथ मूल बांड पेपर जमा नहीं किया गया है एवं कुछ निवेशकों के द्वारा अपने बैंक खाते से संबंधित जानकारी (बैंक पास बुक की पठनीय छायाप्रति) प्रस्तुत नहीं की गई है। सूची में दर्शित यशड्रीम रियल इस्टेट लिमिटेड कंपनी के ऐसे निवेशक जिनके द्वारा अपूर्ण दस्तावेज अथवा अपने आवेदन के साथ मूल बाण्ड की प्रति प्रस्तुत नहीं की गई है उनको वांछित दस्तावेज जिला कार्यालय दुर्ग के चिटफण्ड शाखा (कक्ष क्र. 30) में कार्यालयीन समय में जमा करने कहा गया है। दिए गए क्यूआर कोड के माध्यम से निवेशको की सूची का अवलोकन किया जा सकता है।

मोदी की गारंटी, विकास की सरकार

सुकमा (समय दर्शन)। बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप शनिवार को एकदिवसीय प्रवास पर सुकमा पहुंचे। अपने दौरे के दौरान उन्होंने सुकमा विकासखंड के ग्राम पंचायत फूलबगड़ी में 1 करोड़ 99 लाख रुपए की लागत से निर्मित माइनर ब्रिज का लोकार्पण किया। यह पुल फूलबगड़ी से दामापारा मार्ग को जोड़ता है, जिससे अब ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी और क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी।

भाजपा उतई मंडल कि विशेष गहन पुनरीक्षण एवं संगठनात्मक बैठक उतई रेस्ट हाउस में संपन्न

पाटन (समय दर्शन)। भाजपा उतई मंडल की बैठक रेस्ट हाउस उतई में सम्पन्न हुई। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत मतदाता सूची के अध्ययन कार्य की विस्तृत समीक्षा की गई। स्ट्रक्र मंडल कार्यशाला प्रभारी प्रखर वक्त रजा खोकर ने कहा कि पात्र नागरिकों के नए नाम जोड़ने, त्रुटियों को सुधारने एवं अमान्य नामों को हटाने की प्रक्रिया पर चर्चा की गई। ताकि आगामी चुनावों के लिए मतदाता सूची पूर्णत: सही और पारदर्शी रहें। बैठक में बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं कि सक्रिय भूमिका, मतदाता जागरूकता अभियान को गति देने तथा हर पात्र नागरिक को मतदान के अधिकारी से जोड़ने हेतु विशेष दिशा निर्देश दिए गए ।साथ ही बैठक में संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्यक्रमों की रूप रेखा पर भी विचार - विमर्श हुआ ।सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर पार्टी की नीतियों एवं जनकल्याणी योजनाओं को अधिक प्रभावी रूप से जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में स्ट्रक्रमें संगठन सशक्तिकरण एवं बूथ स्तर तक कार्य विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण मार्ग दर्शन प्राप्त हुआ ।हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जुड़ना लोकतंत्र की सच्ची शक्ति हैं। स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष श्रीमती शीतला ठाकुर ने प्रस्तुत किया बैठक का संचालन मंडल महामंत्री प्रवीण यदु ने किया आभार व्यक्त नगर भाजपा अध्यक्ष एवं पार्षद लक्ष्मी नारायण साहू ने किया ।इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती श्रद्धा साहू,उतई नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती साहू जी,निर्वतमान मंडल अध्यक्ष फत्तेलाल वर्मा जी,अनिल साहू पार्षद सोनू राजपूत,सभापति सुनीता चंद्राकार पार्षद संगीत रजक, पार्षद अनिता गढ़े विमला कामडे उपाध्यक्ष,एकता चंद्राकार,हरीश यादव,मंत्री संध्या भारती मंत्री,घनश्याम चंद्राकार,करण सेन सरपंच करगाडीह,डोमार सिंह सरपंच पुरई,शुभम वर्मा,वैभव देवांगन,फत्तेंद्र राजपूत,हुबलाल चंद्राकार , संतोष मार्कण्डेय,हर्ष चंदेल ।शक्ति केंद्र प्रभारी,शक्ति केंद्र संयोजक,सह संयोजक,बूथ अध्यक्ष,वक्र02 आदि भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपनी उपस्थिति प्रदान किया।

जिला अस्पताल से हथकड़ी छुड़ाकर भागा ठगी का आरोपी बंदी

पंचराम निषाद पहले भी जेल से फरार हो चुका; अस्पताल और जेल प्रशासन के बयान में विरोधाभास, पुलिस-प्रशासन में मचा हड़कंप

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। जिला अस्पताल में शुक्रवार सुबह उस वक्त अफरातफरी मच गई जब ठगी के कई मामलों में गिरफ्तार बंदी हथकड़ी छुड़ाकर फरार हो गया। फरारी की खबर फैलते ही पुलिस और जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। अस्पताल परिसर में घंटों तक तलाश चलती रही, लेकिन आरोपी का कोई सुराग नहीं मिला।

फरार बंदी की पहचान पंचराम निषाद, निवासी नवागढ़ के रूप में हुई है। वह एक शातिर ठग बताया जा रहा है, जिसके खिलाफ प्रदेश के कई जिलों में ठगी के मामले दर्ज हैं। नवागढ़ पुलिस ने उसे हाल ही में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। सूत्रों के अनुसार, यह वही पंचराम है जो पहले भी जेल से फरार हो चुका है। बावजूद उसके ऐसे बंदी को जेल गार्ड से बाहर जिला अस्पताल भेजना, एक गैरजिम्मेदाराना कृत्य या सोची समझी साजिश नजर आता है।

जेल और अस्पताल के बयान में विरोधाभास

घटना के बाद जिला जेल और अस्पताल प्रशासन के बयानों में विरोधाभास सामने आया है। जेलर देव तोंडर का कहना है कि बंदी का हाथ टूटा हुआ था और उसे प्लास्टर के लिए अस्पताल भेजा गया था। जेल अस्पताल से उसे रेफर किया गया तो उसे जिला अस्पताल ले जाया गया। वहीं सिविल सर्जन का कहना है कि बंदी को बुखार और डायरिया की शिकायत थी, जिसके चलते उसे भर्ती कराया गया था। दोनों विभागों के अलग-अलग दावे इस फरारी के पीछे की असली कहानी पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

प्रहरी दवा लेने गया, हथकड़ी छुड़ा फरार हुआ बंदी

जानकारी के मुताबिक, बंदी पंचराम निषाद को गुरुवार दोपहर करीब डेढ़ बजे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसके साथ एक प्रहरी ड्यूटी पर तैनात था।

शुक्रवार सुबह डॉक्टर ने परीक्षण के बाद कुछ दवाइयां लिखीं। प्रहरी दवाएं लेने के लिए बाहर गया और जब लौटकर आया तो देखा कि बंदी हथकड़ी से हाथ निकालकर फरार हो गया था। हथकड़ी वहीं पड़ी मिली। प्रहरी ने तत्काल अस्पताल चौकी को घटना की सूचना दी।

सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं

सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी अस्पताल पहुंचे और आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान शुरू किया। अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि यह पता चल सके कि आरोपी किस दिशा में भागा। हालांकि, अब तक कोई ठोस सुराग नहीं मिल पाया है।

सांठगांठ की आशंका, गंभीर सवालों के घेरे में जेल प्रशासन

सूत्रों का दावा है कि इस पूरे मामले में सांठगांठ की बू आ रही है। बताया जा रहा है कि नियमत: मरणासन्न बंदी को जेल गार्ड के साथ जिला अस्पताल भेजा जा सकता है किन्तु एक हष्टपुष्ट बंदी को पुलिस गार्ड की बजाय जेल गार्ड से भेजना भेजा गया। जिसे लेकर फरार बंदी को अस्पताल शिफ्ट करने की प्रक्रिया भी संदिग्ध मानी जा रही है। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि कहीं इस पूरी फरारी के पीछे कोई डील या मिलीभगत तो नहीं है।

कौन जिमेदार?

यह कोई पहला मौका नहीं है जब बंदी अस्पताल से फरार हुआ हो। पहले भी जेल के ऐसे विवादित मामलों में केवल निचले स्तर के कर्मचारियों को सस्पेंड कर मामला दबा दिया गया।

लोगों में सवाल उठ रहा है — क्या इस बार असली जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई होगी, या फिर एक बार फिर किसी एक प्रहरी को बलि का बकरा बनाकर मामले में खानापूर्ति कर दी जाएगी?

(मामले में जब जेल डीजी हिमांशु गुप्ता से संपर्क किया गया तो उन्होंने जवाब नहीं दिया।)

महंत राजा सर्वेश्वर दास अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर कलेक्टर से हुई मुलाकात

राजनांदगांव (समय दर्शन)। नए वर्ष की शुरुआत में शहर एक बार फिर हॉकी के रोमांच से सराबोर होने जा रहा है। एक वर्ष के अंतराल के बाद महंत राजा सर्वेश्वर दास अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी सिलसिले में महापौर मधुसूदन यादव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर जीतेन्द्र यादव से मुलाकात की और प्रतियोगिता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल में छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी, जिला हॉकी संघ के सचिव शिवनारायण धकेता, वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी कुतबुद्दीन सोलंकी, रमेश डाकलिया, प्रकाश सांखला, नीलमचंद जैन, भूषण साव, पार्षद तीरथ गोस्वामी, प्रिंस भाटिया, रणविजय प्रताप सिंह, गणेश प्रसाद शर्मा, कुमार स्वामी, अरुण शुक्ला, अजय झा, प्रकाश शर्मा, अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे, अनीश रजा, महेंद्र सिंह ठाकुर, गुणवंत पटेल, शकील अहमद सहित अनेक वरिष्ठ खेलप्रेमी उपस्थित थे।

प्रतिनिधियों ने कलेक्टर को अवगत कराया कि यह प्रतियोगिता न केवल प्रदेश में, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिष्ठा रखती है। देश की नामी टीमें इस आयोजन में हिस्सा लेती हैं और कई ओलिंपिक पदक विजेता खिलाड़ी भी इसमें अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। प्रतियोगिता युवा खिलाड़ियों को अपने खेल कौशल के प्रदर्शन का सुनहरा अवसर प्रदान करती है।

कलेक्टर जीतेन्द्र यादव ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि प्रशासन इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने में हर संभव सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता राजनांदगांव की गौरवशाली हॉकी परंपरा को और मजबूती देगी।

महापौर मधुसूदन यादव ने कहा, महंत राजा सर्वेश्वर दास हॉकी प्रतियोगिता राजनांदगांव की पहचान है। शहरवासी इस आयोजन का बेसब्री से इंतजार करते हैं। यह न केवल खेल भावना को बढ़ावा देता है, बल्कि हमारे शहर को राष्ट्रीय हॉकी मानचित्र पर और अधिक उजागर करता है। वहीं, छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने बताया कि शहर की जनता इस बहुप्रतीक्षित आयोजन को लेकर उत्साहित है। शीघ्र ही प्रतियोगिता की तिथि, भाग लेने वाली टीमों और कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा की घोषणा की जाएगी।

उज्ज्वला योजना के शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति के लिए कलेक्टर रणबीर शर्मा ने दिए निर्देश

कलेक्टर ने कहा - कोई भी पात्र हितग्राही गैस कनेक्शन से वंचित न रहे, समय सीमा में हर घर तक पहुँचें उज्ज्वला का लाभ

बेमेतरा (समय दर्शन)। कलेक्टरेट के दृष्टि सभाकक्ष में जिला कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री रणबीर शर्मा की अध्यक्षता में खाद्य विभाग एवं जिले की सभी गैस एजेंसियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में उज्ज्वला योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को समय-सीमा में एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराने तथा योजना के लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना गरीब परिवारों की रसोई में स्वच्छ ईंधन पहुँचाने का ऐतिहासिक अभियान है। उन्होंने अधिकारियों और गैस एजेंसी संचालकों से कहा कि कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित न रहे। हर पात्र परिवार तक उज्ज्वला योजना की रोशनी पहुँचे, यही हमारी प्राथमिकता है। कलेक्टर ने सभी एजेंसियों को निर्देशित किया कि वे टारगेट के अनुरूप कनेक्शन वितरण की गति तेज करें और जिन पात्र हितग्राहियों का नाम सूची में शामिल है, उन्हें जल्द से जल्द गैस कनेक्शन, चूल्हा एवं रेग्युलेटर वितरित करें। उन्होंने यह भी कहा कि पात्रता सूची का मिलान ग्राम पंचायत स्तर पर किया जाए ताकि कोई पात्र परिवार छूट न जाए।

श्री शर्मा ने बैठक में यह भी स्पष्ट किया कि किसी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

22 नग बहुमूल्य हीरा जैसे खनिज पदार्थ के साथ दो तस्कर को किया गया गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अवैध गांजा ,शराब, हीरा तस्करी एवं अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर लगाम लगाने तथा प्रभावी कार्यवाही हेतु समस्त थाना प्रभारियों को दिशा-निर्देश दिये गये थे। जिसके परिपालन में थाना देवभोग पुलिस द्वारा अपने थाना क्षेत्र में मुखबीर एवं पेट्रोलिंग सक्रिय कर लगातार गश्त एवं सघन पेट्रोलिंग करते हुए ठोस कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 9 नवम्बर को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम देवभोग,शरदापुर आईटीआई कॉलेज के सामने दो व्यक्ति संदेहास्पद परिस्थिति में बहुमूल्य चमकीले हीरा जैसे खनिज पदार्थ लेकर ग्राहक की प्रतीक्षा कर रहे हैं ।इस सूचना पर थाना देवभोग पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुँची, जहाँ घेराबंदी कर दो संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। पूछताछ में दोनों ने अपना नाम खीर सिंग मांझी पिता स्व.लालू मांझी उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम झूलेनबर थाना चांदाहाण्डी जिला नवरंगपुर (उड़ीसा)और हरी शंकर नेताम पिता स्व. देवी सिंह नेताम उम्र 27 वर्ष निवासी पायलीखण्ड जुगाड थाना पायलीखण्ड जुगाड जिला गरियाबंद (छ.ग.) के तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से बहुमूल्य चमकीला हीरा जैसा खनिज पदार्थ (कुल 22 नग, कीमती ?2,30,000/रूपये) 2 मोबाइल फोन, मोटर साइकिल क्रमांक ष्टत्र 04चक्र0696 बरामद की गई ।बरामद सामग्री की कुल अनुमानित कीमत लगभग 4 लाख रुपए है।आरोपियों से उक्त खनिज पदार्थ के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे उक्त पत्थरों को ऊँचे दाम पर बेचने हेतु ग्राहक तलाश रहे थे। आरोपीगण का कृत्य धारा 303(2), 3(5) खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957, धारा 21(4) माइनिंग एक्ट के अंतर्गत अपराध का घटित करना पाये जाने से थाना देवभोग मे अपराध कायम कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

श्रमजीवी पत्रकार संघ का जिला स्तरीय दीपावली मिलन समारोह सम्पन्न

पिथौरा में संघ के भवन निर्माण के लिए विधायक डॉ. अग्रवाल द्वारा दस लाख रूपए देने की घोषणा

पिथौरा(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ की पिथौरा इकाई द्वारा महासमुन्द जिले के तहसील मुख्यालय पिथौरा में कल रविवार 9नवम्बर को जिला स्तरीय दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया। स्थानीय वन काष्ठागार के सभाकक्ष में दो सत्रों में आयोजित समारोह के प्रथम सत्र के मुख्य अतिथि संघ के प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द अवस्थी थे, वहीं दूसरे सत्र में बसना क्षेत्र के विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए ।प्रथम सत्र में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित छत्तीसगढ़ी भाषा के सुप्रसिद्ध कवि मीर अली मीर और हास्य रस के कवि कृष्णा भारती ने अपनी छत्तीसगढ़ी कविताओं से खूब रंग जमाया। श्री मीर ने दूसरे सत्र में भी काव्य पाठ किया।

बसना के विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल ने दूसरे सत्र को सम्बोधित करते हुए संघ के पदाधिकारियों के आग्रह पर पिथौरा में श्रमजीवी पत्रकार संघ के भवन निर्माण के लिए दस लाख रूपए की सहायता देने की घोषणा की। विधायक डॉ. अग्रवाल ने कहा कि पत्रकारिता और राजनीति लोकतंत्र की दो आँखें हैं ।किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र के लिए दोनों की ज़रूरत होती है ।संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री अरविन्द अवस्थी ने सुबह के प्रथम सत्र में और विधायक डॉ. अग्रवाल ने शाम को हुए दूसरे सत्र में अपने-अपने सम्बोधनों में सभी पत्रकारों जन प्रतिनिधियों और नागरिकों को दीपावली की बधाई और शुभकामनाएँ दीं। श्रमजीवी पत्रकार संघ के महासमुन्द जिला अध्यक्ष स्वप्निल तिवारी और पिथौरा इकाई के अध्यक्ष मनोहर साहू और उनकी टीम ने सभी आमंत्रितों का स्वागत किया.स्वागत भाषण स्वप्निल तिवारी ने दिया। उन्होंने सभी लोगों को दीपावली की शुभकामनाएँ दीं और कहा कि श्रमजीवी पत्रकार संघ की पिथौरा शाखा द्वारा विगत कई वर्षों से यह आयोजन लगातार किया जा रहा है। इसमें महासमुन्द जिले के साथ -साथ छत्तीसगढ़ प्रदेश भर के अनेक पत्रकार और प्रबुद्धजन शिरकत करते हैं ।परस्पर मेल -मिलाप और विचारों के आदान -प्रदान की दृष्टि से भी यह काफी महत्वपूर्ण आयोजन होता है। विचारों के महामंथन से कुछ न कुछ सकारात्मक परिणाम ज़रूर मिलते हैं ।हमारे इस वार्षिक आयोजन में समाज के सभी वर्गों का सराहनीय सहयोग हमें मिलता है श्री तिवारी ने कहा कि इस बार आयोजन को विस्तार देते हुए हमने कवि सम्मेलन भी रखा, जिसमें छत्तीसगढ़ के हमारे दो लोकप्रिय कवि मीर अली मीर और कृष्णा भारती को विशेष रूप से आमंत्रित किया है। दोनों सत्रों का संचालन मनोहर साहू ने किया ।महत्वपूर्ण घटनाओं के समाचार संकलन और फोटो कवरेज के दौरान आने वाली दिक्कतों का जिक्र करते हुए मनोहर साहू ने कहा कि पत्रकारों को कई बार जोखिम उठाकर भी कर्तव्यों का पालन करना पड़ता है ।श्री साहू ने जंगली हाथियों के कवरेज के दौरान मौके पर उनके साथ घटित घटनाओं का उदाहरण दिया। दीपावली मिलन समारोह में महासमुन्द जिले की सभी पाँच तहसीलों -सरायपाली, बसना, पिथौरा, बागबाहरा और महासमुन्द के पत्रकार ,अनेक जनप्रतिनिधि और प्रबुद्ध नागरिक उत्साह के साथ शामिल हुए.प्रथम सत्र में विशेष अतिथि के रूप में महासमुन्द सांसद श्रीमती रूप कुमारी चौधरी की ओर से उनके प्रतिनिधि ओमप्रकाश चौधरी, जिला पंचायत महासमुन्द की सभापति श्रीमती रामदुलारी सिन्हा,महासमुन्द जिला भाजपा अध्यक्ष येतराम साहू नेबल महासमुन्द के वरिष्ठ पत्रकार नीरज गजेंद्र आदि थे।

एयरपोर्ट के यात्री टर्मिनल पर वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान आम यात्रियों को होने वाली असुविधा होगी समाप्त

मुख्यमंत्री ने स्टेट हैंगर से विमान परिचालन सेवा का किया शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज स्वामी विवेकानंद विमानतल परिसर, माना कैम्प के समीप स्टेट हैंगर के नियमित परिचालन का शुभारंभ किया। शुभारंभ के पश्चात मुख्यमंत्री श्री साय अपने गुजरात प्रवास हेतु इसी हैंगर से रवाना हुए।

इस पहल से एयरपोर्ट के यात्री टर्मिनल पर वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान आम यात्रियों को होने वाली असुविधा समाप्त होगी।स्टेट हैंगर के प्रारम्भ होने से राज्य में विशेष विमान द्वारा वीवीआईपी आगमन एवं प्रस्थान की व्यवस्थाएँ अब और अधिक सुगम एवं व्यवस्थित हो जाएगी।

उल्लेखनीय है कि स्टेट हैंगर का निर्माण वर्ष 2012 में लोक निर्माण विभाग (PWD) द्वारा लगभग 6.50 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण किया गया था। तथापि, इसके परिचालन के लिए आवश्यक डीजीसीए (DGCA) और बीसीएएस (BCAS) की विभिन्न

अनुमतियाँ हाल ही में 31 अक्टूबर 2025 को प्राप्त हुई है। अनुमतियां मिलने के पश्चात अब हैंगर का नियमित परिचालन आरम्भ किया गया है।

नवनिर्मित स्टेट हैंगर को टैक्सी वे 'श्व' के माध्यम से एयरपोर्ट रनवे से जोड़ा गया है, जिससे वीवीआईपी मूवमेंट अधिक सुगमता से हो सकेगा और एयरपोर्ट परिसर के भीतर अलग व्यवस्था करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

राज्य शासन के स्वामित्व वाले विमान एवं हेलीकॉप्टरों के रखरखाव के लिए भी यह नया स्टेट हैंगर उपयोग में लाया जाएगा। इससे अब एयरपोर्ट परिसर के भीतर स्थित किराए के स्टेट हैंगर पर निर्भरता समाप्त होगी।

इस अवसर पर विधायक श्री मोतीलाल साहू, माना कैम्प नगर पंचायत अध्यक्ष श्री संजय यादव, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत, मुख्यमंत्री के उप सचिव श्री सूरज साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री ने किया शंकर पांडे की पुस्तक 'छत्तीसगढ़ अतीत से अब तक' का विमोचन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में वरिष्ठ पत्रकार श्री शंकर पांडे की पुस्तक छत्तीसगढ़ अतीत से अब तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने इस पुस्तक में छत्तीसगढ़ के अतीत को समेटने के प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय को श्री पांडे ने बताया कि छत्तीसगढ़ पर केंद्रित यह उनकी 6वीं पुस्तक है जिसमें छत्तीसगढ़ के महापुरुषों, पर्यटन स्थल, प्राचीन इतिहास, राज-परिवार, मंदिरों के इतिहास से सम्बंधित जानकारियां संकलित की गयी हैं। उन्होंने बताया कि पुस्तक में छत्तीसगढ़ के कई अनछुए पहलुओं सहित राज्य के सभी मुख्यमंत्री, राज्यपाल, प्रमुख राजनीतिक घटनाओं, राजनेताओं व साहित्यकारों का भी उल्लेख है। इस अवसर पर सुश्री प्रियंका कौशल, श्री विशाल यादव सहित सुश्री स्नेहा पांडे तथा मास्टर अंश पांडे भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री जनमन योजना ने बदली सुदूर वनांचल ग्राम सरई की तस्वीर

रायपुर। कबीरधाम जिले के सुदूर वनांचल और बैगा बाहुल्य क्षेत्र जो कभी सड़कों के आभाव में विकास से वंचित थे अब वहां विकास की नई किरण पहुंच रही हैं। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत अब ऐसे दुर्गम ग्राम भी सड़क मार्ग से जुड़ रहे हैं, जहां पहले पहुंचना बेहद कठिन था। जिले के बोड़ला विकासखंड के सरई गांव तक वर्तमान में सड़क का निर्माण पूरा किया गया है।

इस सड़क निर्माण से यहां रहने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति 51 बैगा परिवारों के 371 सदस्यों को मुख्यमार्ग तक पहुंच सुनिश्चित हुई है। पहले यहां तक पहुंचने के लिए कोई पक्का मार्ग नहीं था, गांव तक वाहन नहीं पहुंच पाता था, जिससे ग्रामीणों को आवागमन और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भारी परेशानी उठानी पड़ती थी। बारिश के मौसम में स्थिति और भी कठिन हो जाती थी। अब सड़क बनने से गांव की तस्वीर पूरी तरह बदल गयी है। एंबुलेंस गांव तक पहुंच जाती है, जिससे आपात स्थिति में समय पर चिकित्सा सुविधा मिल पा रही है। बच्चों को स्कूल, किसानों को बाजार और ग्रामीणों को आवश्यक वस्तुओं के लिए अब शहर जाना आसान हो गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बनने से गांव में विकास की नई संभावनाएं खुल गई हैं। अब वाहन सीधे गांव तक आ सकते हैं, जिससे कृषि उपज की बिक्री में सुविधा हो रही है। महिलाएं भी बाजार या स्वास्थ्य केंद्र पहुंच सुगम हो रही हैं। वे बताती हैं कि पहले सड़क नहीं थी तो शहर जाने में आधा दिन लग जाता था। अब 15 मिनट में सड़क तक पहुंच जाते हैं। बच्चे स्कूल आसानी से जा पा रहे हैं और मरीजों को तुरंत एंबुलेंस की सुविधा मिल रही है। ये हमारे जीवन के लिए बहुत बड़ा बदलाव है। जनमन योजना ने वनांचल वासियों के जीवनधारा बदली है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत यह सड़क निर्माण कार्य न सिर्फ भौगोलिक दूरी मिटा रही है बल्कि सामाजिक और आर्थिक दूरी भी घटा रही है। इस पहल से अब वनांचल के लोग मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं और आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यपालन अभियंता श्री संतोष ठाकुर ने बताया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत कवर्धा में वर्ष 2023-24 से अब तक जिले में जनजातीय बहुल क्षेत्रों तक पहुंच मार्ग निर्माण हेतु कुल 76 सड़कों की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इनमें से 8 सड़कों का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है, जबकि अन्य सड़कें निर्माणाधीन हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गांधीनगर में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से की सौजन्य भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज गांधीनगर स्थित मुख्यमंत्री आवास में गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर दोनों मुख्यमंत्रियों ने परस्पर सहयोग एवं विकास के अनुभव साझा किए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने में राज्यों की साझी भागीदारी और आपसी अनुभवों का आदान-प्रदान अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकारें अपने-अपने क्षेत्रों में नवाचार और सुशासन के माध्यम से भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस योगदान दे रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल को बस्तर की लोककला और छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक गौरव पर आधारित बस्तर आर्ट तथा बस्तर दशहरा की कॉफी टेबल बुक भेंट की। इस पर मुख्यमंत्री श्री पटेल ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति की सराहना करते हुए राज्य के रजत जयंती वर्ष के

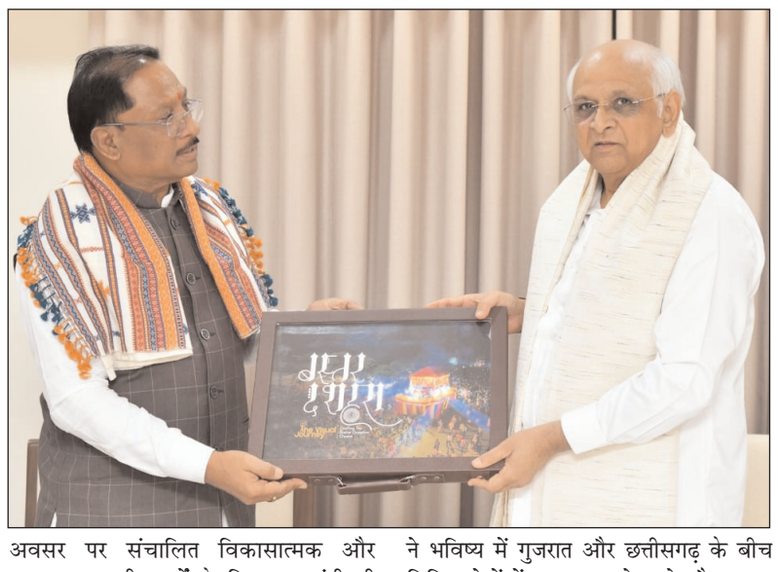

अवसर पर संचालित विकासात्मक और जनकल्याणकारी कार्यों के लिए मुख्यमंत्री श्री साय को शुभकामनाएँ दीं। दोनों मुख्यमंत्रियों ने भविष्य में गुजरात और छत्तीसगढ़ के बीच विभिन्न क्षेत्रों में परस्पर सहयोग को और सशक्त करने पर सहमति व्यक्त की।

बिना ट्रेड लाइसेंस कारोबार पर रोकः दुकानें सील होंगी, दोगुना जुर्माना वसूला जाएगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने नगरपालिका व्यापार अनुज्ञापन (ट्रेड लाइसेंस) नियम को सख्ती से लागू कर दिया है। अब राज्य के सभी नगरीय क्षेत्रों में कोई भी व्यक्ति बिना ट्रेड लाइसेंस लिए व्यापार नहीं कर सकेगा। यदि कोई व्यापारी बिना लाइसेंस कारोबार करते पाया गया, तो दुकान सील कर दी जाएगी और लाइसेंस फीस से दोगुनी राशि जुर्माने के रूप में वसूली जाएगी।

हर दुकानदार को दो महीने में लेना होगा लाइसेंस- सरकार के नए नियम के तहत सभी व्यापारियों को 60 दिनों के भीतर ट्रेड लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य कर दिया गया है। आवेदन करने पर यदि उसे अस्वीकृत नहीं किया जाता है, तो 15 दिनों के भीतर लाइसेंस प्रदान कर दिया जाएगा। यदि सक्षम अधिकारी 15 दिनों में कोई निर्णय नहीं लेते हैं, तो अनुज्ञप्ति स्वीकृत मानी जाएगी, यानी व्यापारी को स्वचालित रूप से लाइसेंस प्राप्त समझा जाएगा।

बिना लाइसेंस कारोबार पर होगी कड़ी कार्रवाई- किसी भी परिसर में बिना विधिमान्य लाइसेंस के व्यापार करते पाए जाने पर सक्षम अधिकारी को अधिकार है कि वह दुकान या परिसर को सील कर दे। साथ ही, उस श्रेणी के व्यापार पर लागू वार्षिक अनुज्ञप्ति शुल्क का दोगुना जुर्माना वसूला जाएगा।

धुआं, गैस, शोर या गंध से प्रदूषण फैलाने पर भी सजा- नए नियमों में पर्यावरण और स्वास्थ्य सुरक्षा का भी ध्यान रखा गया है। लाइसेंसधारी व्यापारी को यह सुनिश्चित करना होगा कि उसके व्यापार से धुआं, गैस, वाष्प, धूल, गंध या शोर से किसी तरह का प्रदूषण या असुविधा (Nuisance) न फैले। यदि ऐसा पाया गया, तो सक्षम प्राधिकारी व्यापारी के खिलाफ कार्रवाई कर सकता है।

दुकान में लाइसेंस प्रदर्शित करना होगा अनिवार्य- हर व्यवसायी को अपने दुकान या कार्यालय में ट्रेड लाइसेंस की प्रति सहज दृश्य स्थान पर लगाना अनिवार्य किया गया है। इसके साथ ही व्यापारी को केंद्रीय और राज्य सरकार, जिला प्रशासन या नगरपालिका के सभी आदेशों और निर्देशों का पालन करना होगा।

खुले गड्ढे में डूबने से दो मासूमों की मौत, आक्रोशित लोगों ने रिंग रोड किया जाम

रायपुर। राजधानी रायपुर से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। कबीर नगर थाना क्षेत्र में खुले पड़े गड्ढे में गिरने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। गुस्साए लोगों ने रिंग रोड नंबर-1 पर चक्काजाम कर प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया और जिम्मेदार विभागों पर लापरवाही का आरोप लगाया।

खेलते-खेलते मौत के मुंह में समाए दो मासूम- जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह कबीर नगर इलाके में यह दर्दनाक हादसा हुआ। सड़क किनारे लंबे समय से एक बड़ा गड्ढा खुला हुआ था, जिसमें बारिश के दौरान पानी भर गया था। पास में खेल रहे दो मासूम बच्चे अचानक फिसलकर गड्ढे में गिर गए।

स्थानीय लोगों ने बच्चों को बचाने की कोशिश की, लेकिन पानी गहरा होने के कारण दोनों को नहीं बचाया जा सका। सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और दोनों बच्चों के शवों को बाहर निकाला।

कबीर नगर थाना प्रभारी सुनील दास ने बताया: घटना की जानकारी सुबह मिली। टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। दोनों बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना की जांच की जा रही है।

लोगों का फूटा गुस्सा, रिंग रोड पर चक्काजाम- हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा गया। उनका कहना है कि इस गड्ढे की शिकायत कई बार नगर निगम और संबंधित विभागों को दी गई थी, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। लोगों ने प्रशासन की लापरवाही को मौत का जिम्मेदार ठहराते हुए टायर जलाकर सड़क जाम कर दी। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो और खुले गड्ढों को तुरंत भरा जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। मौके पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। कई घंटे बाद जाम हटाया जा सका।

घर में मातम, इलाके में सन्नाटा- दोनों मृत बच्चों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। घरों में मातम का माहौल है और पड़ोसी व रिश्तेदार सांत्वना देने जुटे हैं। लोग प्रशासन की अनदेखी पर नाराजगी जता रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि अगर समय रहते गड्ढे को ढंका या भरा गया होता, तो दो मासूमों की जान बचाई जा सकती थी।

वायर फैक्ट्री से लाखों रुपए का सामान पार

रायपुर। उरला स्थित मां गायत्री वायर इंडस्ट्रीज से अज्ञात चोर ने लाखों रुपए का सामान पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी पंकज मिश्रा 43 वर्ष हीरापुर टाटीबंध का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि उरला स्थित मां गायत्री वायर इंडस्ट्रीज से अज्ञात चोर ने हाफ मशीन ड्रम, ड्राई कापेक्स व अन्य सामान पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 1 लाख 45 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

ठंड बढ़ने से सुबह की सैर हुई सुहावनी, उद्यान हुए गुलजार

रायपुर। जम्मू कश्मीर एवं हिमालय की तराई में हो रही बर्फबारी से छग प्रदेश का मौसम भी बदल गया है। जिसके चलते सुबह एवं रात के समय ठंड में इजाफा हो रहा है। सुबह की सैर करने वाले स्वेटर शॉल टोपी मफलर आदि पहनकर उद्यानों की ओर जा रहे है। सुबह की सैर ठंड की वजह से सुहावनी हो गई है। वहीं बगीचों में सुबह सुबह भजन कीर्तन के साथ ही योग करने वालों की संख्या में इजाफा हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले 24 घंटों में ठंड में इजाफा होने से जहां तापमान में गिरावट आएगी वहीं राते और ठंडी होंगी।

बस्तर में साग-सब्जी, फूलों की खेती से चमत्कारिक बदलाव

बंदूक की गूंज से फलों और फूलों की महक तक का सफर

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की नक्सल उन्मूलन की नीतियों और किसानों की आय बढ़ाने वाली योजनाओं ने बस्तर में विकास की नई इबारत लिख दी है। बस्तर के किसानों ने पारंपरिक धान, सरसों की खेती के साथ-साथ अब साग-सब्जी, फल, फूल की खेती से भी फायदा लेना शुरू कर दिया है। अब बस्तर में गोलियों की गूंज की जगह फलों और फूलों की खुशनुमा महक बिखर रही है। बस्तर में यह बदलाव कोई संयोग नहीं, बल्कि मेहनत, नवाचार और दूरदर्शिता का परिणाम है। वर्ष 2001-02 में सब्जियों की खेती महज 1,839 हेक्टेयर में सिमटी थी और उत्पादन केवल 18,543 मीट्रिक टन था। आज वही इसमें लगातार वृद्धि हुई है जिसका परिणाम है की अब सब्जियों का रकबा 12,340 हेक्टेयर चुका है और उत्पादन 1.90 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच चुका है। बस्तर विश्व पटल पर एक ऐसा नाम जो कभी नक्सल की काली छाया और पिछड़ेपन की गहरी खाई में डूबा

माना जाता था, आज वह बस्तर कृषि के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का साक्षी बन रहा है। छत्तीसगढ़ के इस आदिवासी बहुल इलाके में अब पारम्परिक खेती के स्थान पर टमाटर और मिर्च की खेती न केवल आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही है, बल्कि पड़ोसी राज्यों के बाजारों तक अपनी पहुंच भी बना रही है। अब बस्तर की मिट्टी में ड्रैगन फ्रूट की लालिमा, अमरूद की मिठास, चकोतरा की ताजगी, पपीते का रस और मिर्च की तीखापन खेतों में लहलहा रहे हैं। वे फल एवं मसाले जो कभी यहां उत्पादित नहीं हुए अनुकूल वातावरण और वैज्ञानिक सलाह से विकास की नई गाथा लिख रहे हैं। बस्तर में फलों की बगिया 643 हेक्टेयर से बढ़कर 14,420 हेक्टेयर तक पहुंच गई है एवं उत्पादन 4,457 मीट्रिक टन से बढ़कर 64,712 मीट्रिक टन हो गया। यहां के किसानों द्वारा राज्य निर्माण के पूर्व कभी व्यापारिक स्तर पर फूलों की खेती नहीं की गयी थी आज वहां 207 हेक्टेयर में 13 सौ मीट्रिक टन फूलों का उत्पादन हो रहा है। इसी प्रकार मसाले इस क्षेत्र में सीमित मात्रा में उत्पादित होते थे अब 11 सौ हेक्टेयर से 9,327 मीट्रिक टन मसालों का उत्पादन यहां हो रहा है। औषधीय एवं सुगंधित पौधे जो कभी सीमित मात्रा में होते थे उनका भी किसानों द्वारा 66 सौ मीट्रिक टन से अधिक का उत्पादन किया जा रहा है।

संपादकीय

दिल्लीवासियों की अपेक्षाएं

विशेषज्ञों को जरूर मालूम होगा कि कृत्रिम बारिश के लिए आसमान में बादलों की कैसी मौजूदगी जरूरी होती है। इस ज्ञान का इस्तेमाल ना करने के कारण उन्होंने दिल्लीवासियों की अपेक्षाएं बढ़ाईं और उन्हें पूरा करने में नाकाम रहे।

राष्ट्रीय राजधानी में क्लाउड सीडिंग के जरिए कृत्रिम बारिश कराने की कोशिश की नाकामी में कई सबक छिपे हैं। पहले तो इससे यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति जाहिर हुई है कि तकनीक संस्थान एवं विशेषज्ञ सरकारों की मंशा के मुताबिक चलने की ऐसी मानसिकता का शिकार हो गए हैं कि मानों उन्होंने स्वतंत्र राय देने से तौबा कर लिया है। वरना, आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञ बिना ठोस परिस्थितियों का आकलन किए ऐसे प्रयास में शामिल नहीं होते, जिसके नाकाम रहने से उनकी भी किरकिरी हुई है। विशेषज्ञों को यह जरूर मालूम होगा कि कृत्रिम बारिश के लिए आसमान में बादलों की कैसी मौजूदगी जरूरी होती है। इस ज्ञान का इस्तेमाल ना करने के कारण उन्होंने दिल्लीवासियों की अपेक्षाएं बढ़ाईं और उन्हें पूरा करने में नाकाम रहे। वैसे इससे भी बड़ा मुद्दा है प्रदूषण की गंभीर समस्या के बीच दिल्ली सरकार का कृत्रिम वर्षा का 'इन्वेंट' आयोजित करने का नजरिया। दिवाली के आसपास दिल्ली में घने स्मॉग का छाना जैसे एक मौसमी घटना बन गया है। ऐसा क्यों होता है, इस बारे में अनेक अध्ययन हुए, जिनसे अब काफी जानकारी उपलब्ध है। प्रदूषण के कारण व्यवस्थागत हैं। इनकी जड़ें परिवहन संबंधी सरकारी नीतियों और हरित तकनीक लागू करने को लेकर प्रशासनिक लापरवाही में हैं। इन कारणों से प्रदूषक तत्वों का उत्सर्जन लगातार होता रहता है। उनसे बनी सतह पर जब पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने से आया धुआं और दिवाली पर पटाखों से निकले हानिकारक तत्व जा बैठते हैं, तो वातावरण पर स्मॉग छा जाता है। स्पष्टत: इस समस्या का फौरी हल तब नहीं हो सकता, जब यह गंभीर रूप में सामने आ जाती है। इसका समाधान नीतिगत बदलाव और निरंतर प्रयासों से ही संभव है। मगर ऐसा करने का मद्दा या नजरिया जब नहीं होता, तब दिखावटी उठाना ही एकमात्र विकल्प रह जाता है। ऐसे ही कदम के तौर पर इस वर्ष कृत्रिम बारिश कराने की कोशिश की गई। मगर उसकी नाकामी ने दूसरी गहराती समस्याओं को भी उजागर कर दिया है। जाहिर यह हुआ है कि देश में ज्ञान- विज्ञान विरोधी गहराते माहौल के बीच साधारण-से कार्यों को संपन्न करना भी दूभर हो गया है।

महिलाओं को लेकर समाज और राजनीतिक दलों के सोच में सकारत्मक बदलाव

अजय दीक्षित

महिलाओं को लेकर राजनीतिक दलों में पिछले एक दशक से सकारत्मक परिवर्तन हुआ है। राजनीतिक दलों में सबसे पहले 2006 मप्र के मुख्यमंत्री बने शिवराज सिंह ने लाडली लक्ष्मी, कन्यादान योजना का आयोजन किया। शिवराज सिंह चौहान दर्शन विज्ञान के छात्र रहे हैं।इन योजनाओं के चलते 2008 के मप्र विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी 05 साल की सत्ता विरोधी लहर के बाबजूद जीत गई और अप्रत्याशित रूप से सत्ता में बापिस करली । लेकिन तब तक राजनीति दल शिवराज सिंह की इस गहरी चाल को भांप नहीं पाए थे। इसके बाद शिवराज सिंह चौहान ने 2013 के मप्र विधानसभा चुनाव में जननी सुरक्षा, संबल योजना, विधवा पेंशन योजनाओं को चला दिया और मोदी लहर के शुरुआत का सहारा लेकर जीत हासिल की तब देश के राजनीतिक दलों ने खोज खबर ली कि मप्र में ये क्या हो रहा है। सभी राजनीतिक विशेषज्ञ इस बात से हैरान थे कि भारतीय जनता पार्टी ने तीसरी बार सरकार बनाई थी और वह भी दो तिहाई बहुमत से जीत हुई थी। और उसे 45.2 फीसदी मत मिला था। इधर तमिलनाडु में जयललिता ने अम्मा कैंटीन चला कर 2015 के चुनाव में जीत हासिल की । मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने 2023 के विधानसभा चुनावों में तो भारत वर्ष का सबसे बड़ा राजनीतिक हथियार ईजाद कर दिया लाडली बहना जिसके तहत प्रत्यक वर्ग, जाति, समुदाय, धर्म की महिलाओं को एक सिस्टम के तहत हर महीने 1250 रुपए सीधे उसके खाते में डाल कर चुनाव में 162 सीट लाकर कमाल कर दिया और 25 वर्ष तक मप्र में भारतीय जनता पार्टी की सत्ता तय कर दी। बताया जाता है कि शिवराज सिंह के इस फैसले से उनकी अपनी पार्टी और केंद्र सरकार भी खुश नहीं थी।मगर चुनाव परिणाम आने पर सब हतप्रभ रह गए। भारतीय जनता पार्टी ने 48 फीसदी वोट हासिल किए थे। जबकि चुनाव से पहले भोपाल से दिल्ली तक मप्र में कांग्रेस सरकार आने का हल्ला मचा हुआ था। अब तो महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा,के चुनावों सीधे महिलाओं को 1500 से 2000 रुपए महीने देना शुरू कर दिए और सभी राज्यों में भारतीय जनता पार्टी जीत गई । हालांकि नीतीश कुमार ने भी 2020 के चुनाव महिलाओं के लिए काफी घोषणाएं की थी । झारखंड में तो जेएमएम के हेमंत सोरेन ने हरा हुआ चुनाव मैया योजना से जीत लिया क्योंकि उन्होंने जेल से रिहा होकर मुख्यमंत्री बन महिलाओं के खाते में सीधे 7500, रुपए महीने डाल दिए और भारतीय जनता पार्टी को उसके दाव से ही हरा दिया।अब बिहार में तो नीतीश कुमार ने महिलाओं को 100 रूपये घूस जैसे दिए हैं। बिहार चुनाव में लोग दावा कर रहे हैं कि यही कारण से एनडीए सत्ता में लौट रहा है। हरियाणा में तो भारतीय जनता पार्टी ने तिगड़ी लगा दी। अब महिलाओं के जनधन खाते राजनीतिक हथियार बन चुके हैं और इसमें सत्ता रूढ़ पार्टी सत्ता विरोधी लहर से बच जाती है।पूरे देश में राजनीतिक दलों में मंथन चल रहा है कि इस मामले में क्या किया जाय। आजादी से पहले और बाद में भी समाज में नारी का पुरुष प्रधान समाज में बस अस्तित्व ही था और नारी को उपभोग और बच्चे पैदा करने के रूप में ही जाना जाता था।समाज ने नारी को कुलटा, देवदासी, वैश्या,यहां तक कि डायन तक कहा । राजे रजवाड़े हजारों स्त्रियां अपनी रखैल के रूप में रखते थे। इतना ही नहीं सती भी एक यातना ही थी। विधवा का जीवन तो नरकीय था ही उसे यौन शोषणों का शिकार बनाया जाता था।आजादी के बाद भी बालिकाओं का जन्म बहुत ही अशुभ माना जाता था हालांकि जो शोषण कर्ता पुरुष नारी की कोख से जन्म लेता है।

नेता सत्ता के लिए कर सकते हैं हवाई वादा

योगेंद्र योगी

राजनीतिक दल सत्ता पाने के लिए मतदाताओं से किसी भी तरह का वादा कर सकते हैं, चाहे ऐसे वादों को जमीन पर उतारने में व्यवहारिक कठिनाइयां ही क्यों न हो। बिहार चुनाव में महागठबंधन की ओर से राष्ट्रीय जनता दल के मुख्यमंत्री के घोषित दावेदार तेजस्वी यादव ने बिहार के युवाओं को एक करोड़ से ज्यादा सरकारी नौकरी देने का वादा किया है। यह वादा मतदाताओं को लुभाने के लिए किया गया है। तेजस्वी ने घोषणा की है कि जिस भी परिवार के पास सरकारी नौकरी नहीं है उस हर परिवार को एक सरकारी नौकरी दिलाने का काम किया जाएगा। तेजस्वी ने कहा कि उनकी सरकार बनती है तो 20 दिनों के अंदर नोटिफिक्रेशन जारी किया जाएगा, 20 महीने में ऐसा कोई घर नहीं बचेगा जहां नौकरी नहीं होगी। हर परिवार को देंगे सरकारी नौकरी, पर पैसे कहां से लाएंगे पूर्व डिप्टी सीएम? इसका तेजस्वी यादव और उनके प्रमुख सहयोगी कांग्रेस सहित अन्य दलों ने कोई रोडमैप नहीं बताया। इस वादे की पीछे यादव और कांग्रेस की 5 साल से अधिक समय से सत्ता से बाहर होने की बैचेनी देखी जा सकती है। राज्य में एक करोड़ रोजगार पैदा करने का लक्ष्य रखा है। बिहार में कुल परिवारों की संख्या करीब 2.83 करोड़ है।तेजस्वी ने नीतिश सरकार पर आरोप लगाया कि इस खटारा सरकार को कभी ध्यान ही नहीं था कि बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है। नौकरी और रोजगार के बारे में चर्चा भी नहीं होती थी। वो लोग आज बेरोजगारी भत्ता देने की बात कर रहे हैं, नौकरी की बात आज भी नहीं कर रहे हैं। यादव ने कहा कि मैंने अपने 17 महीने में उप-मुख्यमंत्री काल में जितना काम बिहार की प्रगति के लिए किया वो वर्तमान सरकार 20 सालों में नहीं कर सकी। तेजस्वी के इस ऐलान के बाद नीतीश कुमार चुनावी रैली में सवाल किया कि नौकरियों के लिए पैसे कहां से लाएंगे।

नीतीश कुमार ने कटाक्ष भी किया था कि क्या ये पैसे जेल से लाएंगे या जाली नोट से सैलरी देंगे। तब लालू यादव चारा घोटाला मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद जेल में थे। साथ ही उन्होंने यह भी सवाल उठाए थे कि जब 1990 से 2005 तक राज्य में आरजेडी की सरकार थी तब कितनी नौकरियां आई थीं। उनके राज में न सड़क थी न बिजली। तब राज्य में जंगलराज था। जंगलराज का वो दौर सबको याद है। नीतीश ने जनता से कहा कि आप नौकरी के झांसे में मत आइए। तेजस्वी ने 2020 के विधानसभा चुनाव में वादा किया था कि उनकी सरकार बनी तो वह बिहार में 10 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देंगे। तब भी तेजस्वी ने पहली कैबिनेट बैठक में ही 10 लाख नौकरियों की भर्तियां निकालने का वादा किया था। एनडीए से अलग होकर अगस्त 2022 में आरजेडी के साथ बिहार में सरकार बनाने के बाद तब तेजस्वी उप-मुख्यमंत्री बने और शपथ लेने के बाद ही उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सरकारी नौकरी देने के संबंध में बात की थी। तब उन्होंने कहा थी कि कम-से-कम चार पांच लाख नौकरियों के लिए कुछ करेंगे। जिसके बारे में वो कहते हैं कि उन्होंने तब नौकरियां दिलाई थीं। नीतीश कुमार की कैबिनेट ने इसी साल जुलाई में राज्य में अगले पांच सालों में (2030 तक) एक करोड़ नौकरियां पैदा करने का लक्ष्य रखा है। हालांकि जुलाई में जो फैसले लिए गए हैं उसमें सरकारी और प्राइवेट दोनों तरह की नौकरी की बात की गई है लेकिन इनमें सरकारी नौकरियों की संख्या क्या होगी इस पर कोई नंबर नहीं बताया गया। गौरतलब है कि नीतीश कुमार नियोजित और कॉन्ट्रैक्ट वाली नौकरी की बात करते रहे हैं। कई लोगों को इसके जरिए नौकरियां भी मिली हैं पर जो लोग काम कर रहे हैं उनमें भारी असंतोष है। हालांकि इस साल गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में करीब 85 हजार बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) भाग लिया था, जिन्हे राज्य सरकार ने एक बार का मानदेय ? 6000 देने की घोषणा की। साथ ही मिथिलांचल क्षेत्र में सिचांई के आधुनिकीकरण और बाढ़ नियंत्रण की एक बड़ी परियोजना पश्चिम कोसी नहर परियोजना पर भी काम चल रहा है, जिसके मार्च 2029 तक पूरा होने की संभावना है। बिहार सरकार ने गंगा पथ परियोजना के तहत ?5119 करोड़ मुंगेर (साफिया़बाद)-बरियारपुर-घोरघाट-सुल्तानगंज (42 किलोमीटर), और ?4849 करोड़ सुल्तानगंज-भागलपुर-साबोर (40.80 किलोमीटर) के विकास की भी स्वीकृति मिली है। ये हाइब्रिड एन्युटी मॉडल पर आधारित होंगे तो इसमें 60 फीसद नौकरी निजी क्षेत्र में पैदा होंगी। कुल मिलाकर बिहार में कई बुनियादी विकास कार्यक्रम चल रहे हैं जिसमें हजारों की संख्या में लोगों को रोजगार मिला हुआ है पर ये सरकारी नौकरी नहीं है।

सच्चाई तो यही है कि इतनी सरकारी नौकरियों के लिए फिलहाल बजट में जगह नहीं है। अगर बिहार के बजट को देखें तो साल 2021-22 में यह 2.17 लाख करोड़ था। यह 2022-23 में बढ़कर 2,37,691 करोड़ हो गया। बिहार में साल 2025-26 का बजट लगभग 3,16,000 करोड़ रखा गया। वहीं 55,737 करोड़ का लोन भी लिया जाना तय किया गया है। राज्य पर 4,04,107 करोड़ बकाया है। अर्थात इस पर हर रोज 63 करोड़ का ब्याज ही दिया जा रहा है। बिहार सरकार के राजस्व प्राप्ति में पिछले सालों की तुलना में 2023 24 में 11.96त्न की बढ़ोतरी हुई है, जबकि राजस्व व्यय यानी खर्च में बढ़त केवल 3.55त्न की हुई। ये आंकड़े खुद उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विधानसभा में बताए। मतलब जितने रुपये आए, उससे कहीं कम खर्च हुए हैं, किन्तु राज्य के कर्ज में भी अच्छी खासी बढ़ोतरी भी हुई है। पूरे देश में ही करीब 2 करोड़ सरकारी नौकरियां हैं। जबकि तेजस्वी पूरे देश से ज्यादा सरकारी नौकरी सिर्फ अकेले बिहार में देना चाहते हैं। यह कभी भी मुमकिन नहीं होगा। इच्छाशक्ति हो और अगर फिजूलखर्ची (इसमें सौंदर्यीकरण को शामिल किया गया) और अन्य मदों में कटौती की जाए तो कुछ नौकरियों का सृजन संभव है। हालांकि कितने लोगों को नौकरियां दी जानी है यह अनुमान लगा पाना तो फिलहाल संभव नहीं है। लेकिन एक आंकड़े के मुताबिक केवल 10 लाख सरकारी नौकरियों के लिए ही करीब 25 हजार करोड़ रुपये के अतिरिक्त बजट की जरूरत पड़ेगी। ऐसे में तेजस्वी अगर सरकार बनाते हैं तो यह देखना होगा कि वो हर घर सरकारी नौकरी के लिए बजट का इंतजाम कैसे करते हैं। बिहार में हर घर सरकारी नौकरी देना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है। यह सिर्फ चुनावी वादा है, जो पूरी तरह खोखला है। किसी भी राज्य या देश में सरकारी नौकरी बेरोजगारी की वजह से नहीं निकलती, बल्कि सरकारी कामों को पूरा करने के लिए निकलती है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की स्टेट फाइनेंस रिपोर्ट के मुताबिक बिहार में करीब 15-18 लाख सरकारी नौकरियां हैं, जो राज्य सरकार, स्थानीय निकाय, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे विभागों में हैं। इस हिसाब से सिर्फ 6-7त्न परिवार ही सरकारी नौकरी से जुड़े हैं। बाकी के करीब 2.44 करोड़ यानी 93 से 94त्न परिवारों के पास कोई सरकारी नौकरी नहीं है। 1 नौकरी की सैलरी 30 हजार रुपए महीना है, तो 2.44 करोड़ नौकरियों का सालाना बजट करीब 7.3 लाख करोड़ होना चाहिए, जो बिहार के 3.17 लाख करोड़ के बजट से दोगुना है। सरकारी नौकरी देने के लिए राज्य का पूरा बजट खर्च कर दिया, तो भी कम पड़ेगा। बिहार में रोजगार देना इतनी ही आसान बात होती, तो राज्य के युवा नौकरी करने के लिए प्रदेश से बाहर नहीं जाते। रोजगार के अवसर देने के लिए राज्य में नए स्टार्टअप्स शुरू करने होंगे, नई कंपनियां खुलेंगी और लघु उद्योगों का सहारा लेना होगा। यह काम सरकार नहीं कर पाएगी। इसके लिए प्राइवेट कंपनियों को आगे आना होगा। यह सुनने में तो आसान लगता है, लेकिन यह भी बहुत मुश्किल है। प्राइवेट सेक्टर्स भी बिहार में तब ही इन्वेस्ट करेंगे, जब उनका फायदा होगा। बिहार हो या देश का कोई भी दूसरा राज्य, सभी जगह रोजगार प्रमुख समस्या है पर इसका एकमात्र हल सरकारी नौकरी नहीं हैं। इसके लिए निजी क्षेत्र के निवेश की जरूरत है। यह निवेश तब तक नहीं होगा जब तक जमीन, बिजली, पानी, सड़क, कच्चे माल की उपलब्धि, कानून व्यवस्था तथा भ्रष्टाचार समाप्त नहीं होगा। सिर्फ राजनीतिक टोटकेबाजी से रोजगार की समस्या हल नहीं होगी।

नीतीश केंद्रित चुनाव पर सबकी निगाह

उमेश चतुर्वेदी

बिहार इन दिनों राजनीति की दुनिया के लिए हॉट केक बना हुआ है। जिस समय ये पंक्तियां लिखी जा रही हैं, राज्य के विधानसभा चुनाव के पहले दौर का मतदान खत्म हो चुका है। इस दौर में 121 सीटों के प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम मशीनों ने कैद हो चुका है। जिस तरह पहले दौर में ढाई दशक बाद बंपर मतदान हुआ है। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी के मुताबिक पहले दौर में 64.64 प्रतिशत मतदाताओं ने लोकतंत्र के अपने सबसे बड़े हथियार का इस्तेमाल किया है। इसे देखते हुए माना जा रहा है कि दूसरे और अंतिम दौर में भी बिहार के वोटरों में ऐसा ही उत्साह नजर आएगा।

भारी मतदान को लेकर मान्यता रही है कि अक्सर यह सत्ता विरोधी लहर का प्रतीक होती है। इस लिहाज से तेजस्वी यादव की अगुआई वाला विरोधी महागठबंधन और उसके समर्थक बौद्धिकों की बांछें खिल उठी हैं। उनकी उम्मीदें बढ़ गई हैं कि मोदी के हरावल दस्ते को बिहार ठीक दस साल पहले की तरह इस बार भी बांध लेगा। लेकिन बंपर मतदान की प्रचलित अवधारणा के अपवाद 2010 और 2016 के पश्चिम बंगाल चुनाव हैं। जिनमें सत्ताधारी नीतीश और ममता और बड़े बहुमत से सत्ता में वापस लौटे थे। बिहार में इसकी ही संभावना ज्यादा है। अगर ऐसा ही होता है तो तय मानिए कि बिहार भी गुजरात और मध्य प्रदेश की तरह बीजेपी और एनडीए के लिए मजबूत गढ़ के रूप में उभर कर सामने आएगा।

बिहार के चुनाव नतीजों पर केंद्र सरकार ही नहीं, मोदी की अगुआई को समर्थन दे रही तेलुगू देशम पार्टी की अगुआई वाली आंध्र प्रदेश की सरकार का भी भविष्य टिका है। अगर बिहार में एनडीए की भारी जीत होती है तो साफहै कि केंद्र में मोदी सरकार और मजबूत होगी। इसके साथ ही सरकार की उम्र पर कोई सवाल नहीं उठेगा। केंद्र की बीजेपी की अगुआई वाली सरकार को एक तरफसे नीतीश के नेतृत्व वाला जनता दल यू थामे है तो दूसरी तरफ से एन चंद्रबाबू नायडू का तेलुगू देशम। तेलुगू देशम और एन चंद्रबाबू की राजनीति स्पष्ट है। उनकी सारी कामयाबियां और कार्य व्यापार केंद्रीय सत्ता के सहयोग से चलता है। समर्थन देने की कीमत वे वसूलना अच्छी तरह जानते हैं। अतीत में उन्होंने पहले संयुक्त मोर्चा की सरकार से कीमत वसूली, फिर वाजपेयी सरकार से भी कुछ वैसा ही नाता रखा। इस मामले में वे अनुभवी हैं। इसी अनुभव और कीमत वसूली अभियान के चलते वे राज्य को केंद्र से भरपूर आर्थिक और दूसरी मदद वसूलते रहे। उनकी साइबराबाद की कल्पना हो या फिर राज्य में विकास की बयार बहाने का माद्दा। उन्होंने उन्हें केंद्र के सहयोग से ही पूरा किया है।

बिहार में एनडीए की जीत पर एनडीए और जनता दल यू का भविष्य भी टिका है। अगर बिहार में जीत मिलती है तो तय है कि नीतीश और बड़े कद के साथ उभरेंगे। अगर हार होती है तो फिलहाल मोदी सरकार से अलग होने का सवाल नहीं उठेगा। लेकिन देर-सवेर जनता दल यू मोदी सरकार से दूर होने के बहाने तलाशने लगेगा। उस हालत में जनता दल में ही मानने वालों की कमी नहीं रहेगी कि उसकी हार बीजेपी के ही चलते हुई है। इसकी वजह से नीतीश पर एनडीए से हटने का अंदरूनी दबाव बढ़ सकता है। लेकिन उसमें देर होगी। लेकिन खटपट की आशंका बढ़ती जाएगी।

बिहार में विधानसभा चुनाव के आंकड़ों का निष्कर्ष तो बाद में आएगा। लेकिन पहले दौर के जिस तरह के नजारे दिखे हैं, उसमें लगा कि महिलाओं ने बढ़-चढ़कर वोटिंग में हिस्सेदारी की है। पिछले विधानसभा चुनाव में भी महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में ज्यादा वोटिंग की थी। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, 2020 के विधानसभा चुनाव में महिलाओं का मतदान प्रतिशत 59.6 रहा, जो पुरुषों के 54.7 से करीब 5 प्रतिशत ज्यादा था। इस बार भी जिस तरह मतदान केंद्र पर महिलाओं की लाइनें लगी थीं, उससे लगता है कि बिहार का चुनावी परिदृश्य यह इतिहास फिर से दोहराने जा रहा है। इसकी वजह माना जा रहा है, नीतीश सरकार द्वारा ऐन चुनावों से ठीक पहले महिलाओं को दस-दस हजार रुपए की आर्थिक सहायता देना। वैसे बिहार में विधवाओं को 11 सौ रुपए का मासिक पेंशन भी मिलती है। बिहार जैसे लोक अभावग्रस्त राज्य में यह रकम बड़ी सहारा बनती है। इसलिए महिलाएं इस बार खुलेआम नीतीश सरकार के पक्ष में दिखीं। बिहार वैसे तो जातिवादी राजनीति के लिए बदनाम रहा है। लेकिन उसे बदनाम करने वाले राज्य भी जातीय गोलबंदी की राजनीति से अछूते नहीं हैं। हर राज्य में अपने-अपने जातीय समूह हैं और उनकी अपनी गोलबंदी है। हर राजनीतिक दल इन जातीय समूहों का टिकट वितरण में ध्यान रखता रहा है। बहरहाल इस बार जातीय गोलबंदी और मुद्दों से इतर बिहार के चुनाव को ले जाने की कोशिश चुनाव रणनीतिकार और सलाहकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर ने की। उनकी सक्रियता से लगा कि एकबारगी चुनाव इसी पैटर्न पर जाएगा। पढ़े-लिखे लोगों में इसका असर भी दिखा। लेकिन आखिरकार बिहार का चुनाव अपने पारंपरिक जातीय गोलबंदी और धार्मिक ध्रुवीकरण पर केंद्रित होता चला गया। प्रशांत ने परिवारवाद का भी मुद्दा उछाला। उसे ठीकठाक जन समर्थन भी मिला। वैसे परिवारवाद के केंद्र में लालू परिवार सबसे ज्यादा है। हालांकि लालू परिवार के बड़े चिराग तेज प्रताप को अलग कर दिया गया है। तेजप्रताप जनशक्ति जनता दल के नाम से अलग दल बनाकर लड़ रहे हैं। वैशाली जिले की महुआ विधानसभा सीट से वे खुद उम्मीदवार हैं। ऐसा माना जा रहा है कि वे जीत सकते हैं। वैसे तेजप्रताप के जो इंटरव्यू सामने आए हैं, उससे उनकी छवि परिपक्व नेता की बनकर उभरी है। इस चुनाव में भी बिहार के सीमांचल के जिलों में असदुद्दीन ओबैसी की पार्टी जोरशोर से जुटी हुई है। मुस्लिम बहुल सीमांचल में ओबैसी की सभाओं में भीड़ खूब जुट भी रही है। इस बार भी लगता है कि सीमांचल में उनकी पार्टी अपनी ताकत दिखाने में सफल रहेगी। इस बार के चुनाव में चिराग पासवान एनडीए के साथ हैं। पिछली बार वे नीतीश के विरोध में हर जगह मैदान में थे। उनके प्रत्याशियों को करीब 23 लाख वोट मिले थे। जिसकी वजह से माना गया कि नीतीश की स्थिति कमजोर हुई और उनकी पार्टी को 43 सीटों पर सिमटना पड़ा। चिराग इस बार नीतीश की अगुआई का जाप कर रहे हैं। वैसे तो चुनाव परिणाम बताएंगे कि वे कमजोर रहते हैं या फिर ठीकठाक प्रदर्शन कर पाते हैं। वैसे उनके 29 प्रत्याशी मैदान में हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कुछ राजनीतिक प्रेक्षकों को लग रहा था कि महागठबंधन इस बार सत्ता नीतीश से छीन सकता है। अगस्त में चली प्रदेश व्यापी वोटर अधिकार यात्रा में उमड़ी भीड़ के बाद इस धारणा को मजबूती मिली थी। राहुल गांधी को पहली बार किसी गैर कांग्रेसी नेता ने इसी यात्रा में अपना प्रधानमंत्री उम्मीदवार घोषित किया था। वे नेता तेजस्वी रहे। लेकिन आखिर में जिस तरह सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और मुकेश सहनी की विकासशील इन्सान पार्टी के बीच जिस तरह खींचतान हुई, जिस तरह दरभंगा की गौराबौड़ाम सीट से मुकेश सहनी को अपने भाई संतोष साहनी की उम्मीदवारी राजद उम्मीदवार के पक्ष में वापस लेना पड़ा, उससे महागठबंधन की फजीहत ही हुई है।

महागठबंधन में करीब एक दर्जन सीटों पर जारी दोस्ताना लड़ाई से आखिरकार उसे ही नुकसान होता दिख रहा है। इस चुनाव में बाहुबलियों की उपस्थिति को लेकर भी खूब राजनीति हुई। इस चुनाव ने साबित किया है कि बाहुबली और बिहार का चुनाव एक-दूसरे के पूरक हैं। बिहार में अगर सत्ता बदलती है तो तय है कि उसकी सूत्रधार महिलाएं होंगी और अगर सत्ता बचती है तो उसका भी दारोमदार महिलाओं पर ही होगा। तब माना जाएगा कि महिलाओं को आर्थिक सहायता, शराबबंदी और महिला सुरक्षा का मुद्दा कामयाब रहा। वैसे भारतीय मतदाता भावुक भी है। उसे पता है कि नीतीश की यह तकरीबन आखिरी चुनावी पारी है। इस वजह से भी मतदाताओं के एक बड़े वर्ग का उन्हें समर्थन मिल सकता है। हमारी संस्कृति में उदारता पूर्वक शानदार विदाई देने की परंपरा है। अगर नीतीश की अगुआई में एनडीए जीतता है तो उसकी एक बड़ी वजह यह भी मानी जाएगी। इस चुनाव की एक और खासियत है कि नीतीश ही इसके केंद्र में हैं। विपक्ष भी उनकी ही बात कर रहा है और बीजेपी भी। जनता दल यू को तो करना ही है। विपक्ष बार-बार यह कहता है कि नतीजों के बाद बीजेपी नीतीश से सत्ता छीन लेगी। जबकि बीजेपी ही नहीं, प्रधानमंत्री मोदी भी बार-बार नीतीश की अगुआई में बिहार के चुनाव की बात करते रहे हैं। बिहार चुनाव की समीक्षा तब और कहीं ज्यादा कारगर ढंग से होगी, जब नतीजे सामने आएंगे।

हर हर महादेव क्यों बोला जाता है?

सनातन धर्म में भगवान शिव के भक्त जयकारा लगाते समय हर हर महादेव बोलते हैं। पौराणिक वेद ऋग्वेद में इसके बारे में विस्तार से बताया गया है। शास्त्रों के अनुसार सनातन धर्म में तीन मुख्य देवता हैं। ब्रह्मा, विष्णु और महेश। महेश अर्थात भगवान शिव। जिन्हें संहारक माना जाता है, यानी कि बुराइयों को अंत करने वाले और भगवान विष्णु और ब्रह्मा जी को जन्मदाता माना जाता है। इसलिए इनको महादेव से संबोधित करते हैं। जिसका मतलब है, देवों के देव। अब ऐसे में भगवान शिव के लिए हर हर महादेव ही क्यों बोला जाता है।

हर हर महादेव बोलने का आशय

जब श्रृष्टि में सकारात्मक ऊर्जा का जन्म हुआ था, साथ ही सकारात्मक ऊर्जा का जन्म भी हुआ था, लेकिन व्यक्ति नकारात्मक ऊर्जा का सामना न करके महादेव को अपनी रक्षा करने के लिए बुलाते थे। इसके लिए महादेव ने सभी मनुष्यों को उनकी शक्ति से परिचित कराने के लिए हर हर महादेव का जाप किया था। जिसका अर्थ है, महादेव सभी के हैं और सभी महादेव हैं। अर्थात सभी बलशाली हैं। इसलिए महादेव की प्रतीक्षा करने से अच्छा है, अपने अंदर के महादेव को जाग्रत कर नकारात्मक ऊर्जा का नाश करें। महादेव का दूसरा अर्थ नाश भी है। ऋग्वेद में जीवन का सार विस्तार से बताया गया है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान शिव (शिव जी फूल) परम चेतना हैं और आत्मा ही शिव है। हर हर महादेव से आशय है हर चीज में महादेव का वास है। व्यक्ति के भीतर भी महादेव विराजते हैं।

हर हर महादेव का अर्थ क्या है

हर हर से आशय है, नष्ट करना। इसका अर्थ यह है कि शिव जी (शिव जी मंत्र) के आराधक अपने अंदर सारे दोषों को नष्ट करें। दूसरा अर्थ यह है कि महादेव शिव हर किसी के दोष हर लेते है और सभी दोषों को पवित्र कर देते हैं। महादेव की पूजा मात्र करने से ही सभी कष्ट दूर हो सकते हैं और व्यक्ति को मनवांछित फल की भी प्राप्ति होती है। इसलिए महादेव के भक्तों द्वारा हर हर महादेव का जाप किया जाता है।

हर हर महादेव बोलना स्वयं को समर्पित करना

पूजा के दौरान जैसे ही हर हर महादेव बोलते हैं, तो वैसे ही सभी लोग अपने हाथों को उठाकर हर हर महादेव का जयकारा लगाते हैं। ऐसा करते समय भक्त अपने आपको भगवान शिव को समर्पित कर देते हैं। भक्त चाहते हैं कि भगवान शिव भक्तों की सभई परेशानियां दूर कर दें और उन्हें मोक्ष का वरदान दें।

भगवान शिव के प्रतीकों का रहस्य

भगवान शिव की वेशभूषा सबसे भिन्न और निराली है। जब भी भगवान शिव के बारे में जानना हो, उनके रूप के बारे में जानना हो तो उनके कुछ खास प्रतीक चिह्न हैं जिनके जरिये यह पहचाना जा सकता है कि आपके आसपास भगवान शिव का वास बना हुआ। हालांकि ज्योतिष में तो इन प्रतीकों को घर पर रखने का भी खासा महत्व बताया गया है।

भगवान शिव के ये प्रतीक आपके और हमारे जीवन से जुड़े हुए हैं और हम सभी को यह संकेत देते हैं कि भगवान की कृपा पर बनी हुई है। भगवान शिव के इन प्रतीकों का अपना अलग-अलग महत्व है और इनसे जुड़ा अपना-अपना रहस्य भी है। तो चलिए जानते हैं भोलेनाथ महादेव के इन प्रतीक चिह्नों और इनसे मिलने वाले संकेतों के बारे में।

अर्ध चंद्र

भगवान शिव के मस्तक पर अर्ध चंद्र स्थापित है जो समय का प्रतीक माना जाता है। हमारे जीवन से इसका संबंध यह है कि जिसने अपने चंचल मन को थोड़ा भी सीमित कर लिया उसके भीतर भगवान शिव (भगवान शिव के आगे क्यों नहीं लगता श्री) की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

त्रिनेत्र

भगवान शिव की तीन आंखें हैं। तीसरी आंख का अर्थ है उन चीजों का अनुभव करना जिन्हें सामान्य दृष्टि से देखा ना जा सके। हमारे जीवन से इसका संबंध यह है कि जिसने भी अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक रूप से थोड़ा भी भिन्न किया उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

त्रिशूल

भगवान शिव का त्रिशूल न सिर्फ शस्त्र है बल्कि मानव शरीर में मौजूद नाड़ियों का सूचक माना जाता है। इसका हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी सही ज्ञान अर्जित किया और उस ज्ञान का सांसारिक उन्नति के लिए प्रयोग किया उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

रुद्राक्ष

रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आसुओं से हुई है। रुद्राक्ष निर्माण के प्रतीक के तौर पर जाना जाता है। रुद्राक्ष (रुद्राक्ष धारण करने के नियम) का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी अपनी कला या प्रभु भक्ति से अपने भीतर किसी नवीन शक्ति का निर्माण किया उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

सर्प

भगवान शिव के गले में विराजमान सर्प समय चक्र को दर्शाता है। सर्प का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी भूत, वर्तमान और भविष्य में भी प्रभु भक्ति को चुन हर जीव की सेवा की है उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

डमरू

भगवान शिव का डमरू इस अबत का प्रतीक माना जाता है कि अपने अवगुणों पर विजय कैसे पाई जाए। डमरू का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी अपने अवगुणों को दूर करने का प्रयास किया हो और उसमें थोड़ा भी सफल हुआ हो तो उस व्यक्ति में भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

बाघ की छाल

भागवान शिव को बाघाम्बर कहा जाता है क्योंकि वह मृत बाघ की छाल के आसन पर बैठते हैं जी इस बात का प्रतीक है कि अपनी शक्ति पर अहंकार न करें। बाघ की छाल का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी अपनी अहंकार को त्याग दिया उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

त्रिपुंड

भगवान शिव का त्रिपुंड तिलक उनके मस्तक पर धारित 27 देवताओं और ध्यान का प्रतीक माना जाता है। त्रिपुंड का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी अपने भीतर 36 में से 27 गुणों को ध्यान शक्ति को जागृत किया है उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

भगवान शिव के प्रसन्न होने पर मिलते हैं ये संकेत

धर्म शास्त्रों के अनुसार, जब भगवान हमसे रुष्ट होते हैं तब उन्हीं के माध्यम से हमें कई सारे संकेत मिलते हैं। वहीं, जब भगवान हमसे प्रसन्न होते हैं तब उससे जुड़े भी कई संकेत हमें नजर आने लगते हैं।

धर्म शास्त्रों के अनुसार, जब भगवान हमसे रुष्ट होते हैं तब उन्हीं के माध्यम से हमें कई सारे संकेत मिलते हैं जो यह दर्शाते हैं कि हमने कहां गलती की है या क्या हमसे ऐसी चूक हुई है जिसके कारण भगवान हमसे नाराज हैं। वहीं, जब भगवान हमसे प्रसन्न होते हैं तब उससे जुड़े भी कई संकेत हमें नजर आने लगते हैं। भगवान के प्रसन्न होने से जुड़ी घटनाएं हमारे जीवन में घटने लगती हैं। इन घटनाओं या परिस्थितियों के कारण ही हमें भगवान के हमारे समीप होने का आभास होता है। जब भगवान शिव हमसे प्रसन्न होते हैं तो उनके द्वारा कुछ ऐसे संकेत होते हैं जो हमें अपने जीवन में मिलने लग जाते हैं। तो चलिए इस लेख में जानते हैं कि कौन से हैं शिव जी के प्रसन्न होने के वो संकेत।

भगवान शिव शंकर के आपके साथ होने से जुड़े संकेत

शिव पुराण के अनुसार, जब भगवान शिव अपने किसी भक्त से प्रसन्न होते हैं तब व्यक्ति को आंतरिक मन में डमरू के बजने की आवाज सुनाई देती है। यह आवाज उसे मानसिक रूप से शांत करती है और उसका तनाव कम करने का काम करती है। इसके अलावा, अगर आप कहीं बाहर जाएं और आपको किसी ऐसे स्थान पर आपको त्रिशूल दिख जाए जहां उसके दिखने की उम्मीद न हो तो समझ लें कि भगवान शिव आपसे प्रसन्न हैं और उनकी कृपा आप पर एवं आपके परिवार पर बनी हुई है। अगर आपको रास्ते में कहीं भी आते या जाते नंदी महाराज यानी कि शांत बैल के दर्शन हो जाएं तो यह भी भगवान शिव के आपकी पूजा से प्रसन्न होने के संकेत हैं। ऐसे में आपको उस शांत बैल को देखकर भगवान शिव का ध्यान करते हुए नमन करना है।

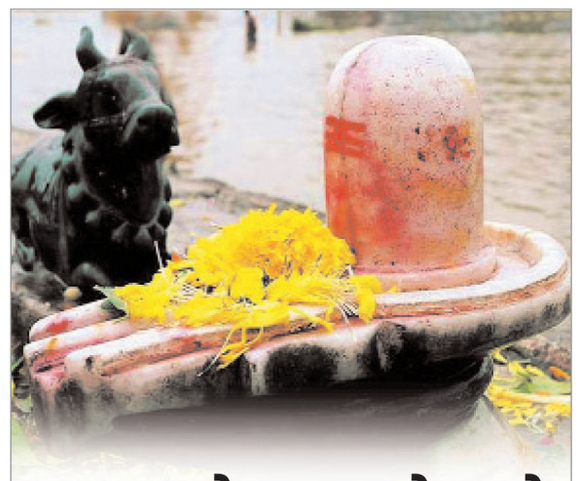

अनार के रस से करें भगवान शिव का रुद्राभिषेक, बनी रहेगी घर की सुख-शांति और समृद्धि

सनातन धर्म में भगवान शिव को सभी दुखों का संहारक और सत्य का प्रतीक माना जाता है। इनकी पूजा करने से जातकों को सभी परेशानियों से छुटकारा मिल जाता है। अब ऐसे में भगवान शिव का अनार के रस से रुद्राभिषेक कैसे करें।

भगवान शिव कों देवों के देव महादेव कहा जाता है। इनकी पूजा विधिवत रूप से करने से व्यक्ति के जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो जाती है और उत्तम परिणाम भी मिलने लग जाते हैं। वहीं मनोकामना पूर्ति के लिए भगवान शिव का रुद्राभिषेक कई तरह से किए जाते हैं। सभी रुद्राभिषेक का विशेष महत्व है। भगवान शिव का रुद्राभिषेक करने से भक्त के चारों ओर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जिससे नकारात्मकता दूर होती है। रुद्राभिषेक करने के भी कई विशेष नियम होते हैं। आपकों बात दें, व्यक्ति के स्वास्थ्य सुधार के लिए भी विधिवत रूप से भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की जाती है। अब ऐसे में अनार के रस से भगवान शिव का रुद्राभिषेक कैसे करें। किस विधि से करें और रुद्राभिषेक का महत्व क्या है।

अनार के रस से भगवान शिव का रुद्राभिषेक कैसे करें?

अनार का रस भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। ऐसी मान्यता है कि अनार के रस से अभिषेक करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

रुद्राभिषेक करने के लिए विधि

भगवान शिव का रुद्रभिषेक करने के लिए सामग्री के बारे में विस्तार से जानते हैं - ताजा अनार का रस, शिवलिंग, बेलपत्र, धतूरा, भांग, चंदन, कुश, जल, रुद्राक्ष की माला, शुद्ध कपड़े

अनार के रस से रुद्राभिषेक किस विधि से करें?

- अनार का रस भी भगवान शिव को प्रिय है और इसे शिवलिंग पर चढ़ाना शुभ माना जाता है। अनार के रस से अभिषेक करने से कई तरह के लाभ मिलते हैं, जैसे कि धन लाभ, रोग निवारण और मन की शांति।
- सबसे पहले एक स्वच्छ स्थान पर शिवलिंग को स्थापित करें।
- शिवलिंग को गंगाजल या शुद्ध जल से धोकर शुद्ध करें।
- शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा, भांग और चंदन चढ़ाएं।
- अब अनार के रस से शिवलिंग पर धीरे-धीरे अभिषेक करें।
- अभिषेक करते समय रुद्राक्ष की माला से रुद्राष्टक का जाप करें।
- अभिषेक के बाद शिवलिंग पर पुष्प अर्पित करें और धूप-दीप दिखाएं।
- उसके बाद भगवान शिव को प्रणाम करें।

भगवान शिव को अनार का रस चढ़ाने का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अनार को एकता और समृद्धि का प्रतीक हैं। ऐसा माना जाता है कि अनार का रस चढ़ाने से भगवान शिव की कृपा से जीवन में समृद्धि और खुशहाली आती है। अनार का लाल रंग शक्ति और उत्साह का प्रतीक है। यह भगवान शिव की तपस्या और शक्ति को दर्शाता है।

भगवान श्रीहरि विष्णु ही क्यों करते हैं क्षीर सागर में निवास?

क्षीर सागर को ब्रह्मांड की उत्पत्ति का स्थान माना जाता है। भगवान विष्णु, सृष्टि के पालनहार के रूप में, इसी सागर पर शेषनाग नामक विशाल सर्प की शय्या पर विश्राम करते हैं।

हिंदू धर्म में क्षीर सागर एक पवित्र स्थान है। यह ब्रह्मांड के केंद्र में है। शास्त्र में इसका वर्णन दूध के विशाल सागर के रूप में किया जाता है। भगवान विष्णु को इस सागर में शेषनाग नामक विशाल सर्प की शय्या पर विश्राम करते हुए दर्शाया गया है। क्षीर सागर को सृष्टि, मोक्ष और शांति का प्रतीक माना जाता है। क्षीर सागर भगवान विष्णु और उनकी शक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं। ऐसा कहा जाता है जिन्होंने भगवान विष्णु की अत्यधिक भक्ति और तपस्या की है, उन्हें क्षीर सागर में प्रवेश करने का वरदान प्राप्त हो सकता है। अब ऐसे में मन में एक सवाल आता है कि भगवान श्रीहरि विष्णु ही क्षीर सागर में क्यों वास करते हैं।

क्षीर सागर का धार्मिक महत्व

पौराणिक कथाओं के अनुसार क्षीर सागर ब्रह्मांड की उत्पत्ति का स्थान है। सृष्टि के पालनहार इसी सागर में शेषनाग की शैय्या पर विश्राम करते हैं। क्षीर सागर को मोक्ष का प्रतीक भी कहा जाता है। भगवान विष्णु का इस सागर में निवास करना दर्शाता है कि वे मोक्ष के दाता हैं और भक्तों को मोक्ष प्राप्ति में सहायता करते हैं। क्षीर सागर शांति और समृद्धि का प्रतीक है। भगवान विष्णु का इस सागर में निवास करना दर्शाता है कि वे सृष्टि में शांति और समृद्धि बनाए रखते हैं। शास्त्रों के अनुसार क्षीर सागर का संबंध विश्व के विनाश से भी है। भगवान विष्णु का इस सागर में निवास करना दर्शाता है कि वे प्रलय के बाद सृष्टि का पुनर्निर्माण करते हैं। क्षीर सागर में भगवान विष्णु का विश्राम बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। भगवान विष्णु का शेषनाग पर शयन करना आत्म-ज्ञान का प्रतीक है। शेषनाग अनंत काल का प्रतीक है, और भगवान विष्णु इस पर विश्राम करके यह दर्शाते हैं कि वे काल से परे हैं और सभी ज्ञान के धारक हैं। क्षीर सागर को दुग्ध सागर भी कहा जाता है। क्षीर सागर में भगवान विष्णु की पत्नी देवी लक्ष्मी भी उनके साथ निवास करती हैं।

क्षीर सागर में कौन प्रवेश कर सकता है?

क्षीर सागर में वहीं प्रवेश कर सकता है, जिन्होंने भगवान विष्णु की अत्यधिक भक्ति और तपस्या की है। उन्हें ही क्षीर सागर में प्रवेश करने का वरदान प्राप्त मिल सकता है।

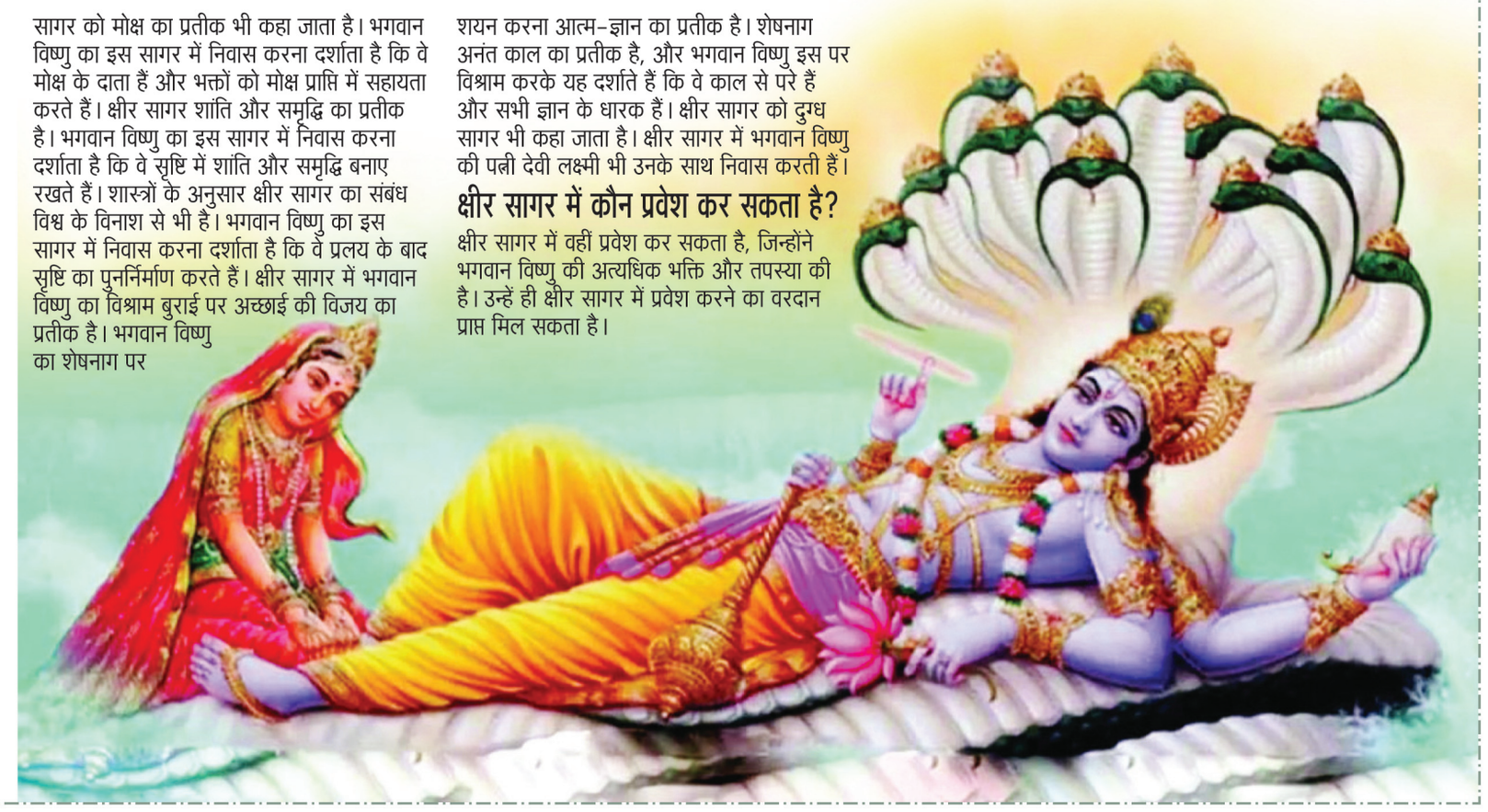

संक्षिप्त समाचार

भूकंप के झटकों से फिर दहला अफगानिस्तान, एक हफ्ते में तीसरी बार हिली धरती

काबुल, एजेंसी। शनिवार सुबह अफगानिस्तान में 4.4 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, यह भूकंप 180 किलोमीटर की गहराई पर आया। इससे पहले शुक्रवार को भी अफगानिस्तान में 4.4 तीव्रता का एक और भूकंप दर्ज किया गया था, जो सिर्फ 10 किलोमीटर की गहराई पर था। इतनी कम गहराई वाले भूकंप आम तौर पर ज्यादा खतरनाक माने जाते हैं, क्योंकि इनके झटके सतह तक अधिक ताकत से पहुंचते हैं। 4 नवंबर को उत्तरी अफगानिस्तान में आए 6.3 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप में कम से कम 27 लोगों की मौत हुई थी और 950 से अधिक घायल हुए थे। यह भूकंप मजार-ए-शरीफ शहर के पास उथली गहराई में आया था और इससे शहर की मशहूर ऐतिहासिक मस्जिद को भी नुकसान पहुंचा था। रेड क्रॉस के अनुसार, अफगानिस्तान का हिंदू कुश पर्वतीय इलाका भूगर्भीय रूप से बेहद सक्रिय है, जहां भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के टकराव से हर साल भूकंप आते रहते हैं। वहीं, संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय ने कहा है कि देश पहले से ही दशकों के संघर्ष और अविकास से जूझ रहा है, जिससे प्राकृतिक आपदाओं का असर यहां और गहरा पड़ता है।

ट्रंप प्रशासन को 60 मिलियन डॉलर का भुगतान करेगी कॉर्नेल यूनिवर्सिटी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की प्रतिष्ठित कॉर्नेल यूनिवर्सिटी ने 60 मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने और ट्रंप प्रशासन द्वारा दी गई नागरिक अधिकार कानूनों की व्याख्या को स्वीकार करने पर सहमति जताई है। इस समझौते के तहत विश्वविद्यालय को उसकी फेडरल फंडिंग बहाल हो जाएगी। कॉर्नेल विश्वविद्यालय के अध्यक्ष माइकल कोटलिकॉफ ने शुक्रवार को इस समझौते की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह समझौता विश्वविद्यालय की शैक्षणिक स्वतंत्रता को बरकरार रखते हुए सरकार द्वारा रोकी गई 250 मिलियन डॉलर से अधिक की शोध फंडिंग को फिर से चालू करेगा। समझौते के अनुसार, विश्वविद्यालय 30 मिलियन डॉलर सीधे अमेरिकी सरकार को और 30 मिलियन डॉलर अमेरिकी किसानों से संबंधित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए देगा।

एक और बंधक के अवशेष गाजा में रेड क्रॉस को सौंपे

गाजा , एजेंसी। इस्राइली सेना ने शुक्रवार को कहा कि एक बंधक के अवशेष गाजा में रेड क्रॉस को सौंप दिए गए हैं। मौजूदा युद्धविराम की शुरुआत के बाद से हमास ने 22 बंधकों के शव लौटा दिए हैं। अगर यह पुष्टि हो जाती है कि ये शव किसी और बंधक के हैं, तो गाजा में अभी भी पांच अन्य बंधकों के अवशेष बचे रहेंगे। 10 अक्तूबर से शुरू हुए युद्ध विराम का उद्देश्य इस्राइल और फलिस्तीनी उग्रवादी समूह के बीच अब तक लड़े गए सबसे घातक और विनाशकारी युद्ध को समाप्त करना है। हमास की सैन्य शाखाओं ने शुक्रवार को बताया कि दक्षिणी गाजा के शहर खान यूनिस में एक बंधक का शव मिला।

प्रतिबंध हटा, जापान ने चीन को फिर शुरू किया सीफूड निर्यात

टोक्यो, एजेंसी। जापान ने शुक्रवार को बताया कि फुकुशिमा परमाणु संयंत्र से उपचारित रेडियोधर्मी पानी छोड़े जाने के कारण लगे प्रतिबंध के दो साल बाद चीन के लिए सीफूड का निर्यात फिर से शुरू हो गया है। मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने बताया कि बुधवार को होक्काइडो से 6 मीट्रिक टन स्कैलप्स चीन भेजे गए। चीन ने अगस्त 2023 में जापानी सीफूड पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया था। किहारा ने इस कदम को सकारात्मक बताया और चीन से बाकी प्रतिबंधों को भी हटाने का आग्रह किया।

अमेरिका में ममदानी की जीत से सदमे में इजरायल !

यहूदी बोले- यह सभी के लिए बहुत बुरा, लगता न्यूयॉर्क भूल गया 9/11

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के नए मेयर के रूप में जोहरान ममदानी की ऐतिहासिक जीत ने इजरायल में गहरी बेचैनी पैदा कर दी है। इजरायली नागरिकों और नेताओं को डर है कि एक खुले तौर पर नेता की जीत अमेरिका-इजरायल संबंधों में नई ठंडक ला सकती है। इजरायल के राजनीतिक वर्ग को सबसे ज़्यादा झटका इस बात से लगा कि करीब एक-तिहाई यहूदी मतदाताओं ने भी ममदानी का समर्थन किया। यरुशलम की निवासी हाना जैगर ने कहा यह बहुत बुरा है। यहूदियों के लिए, इजरायल के लिए, सभी के लिए बुरा है।

ममदानी की जीत का संदेश

ममदानी ने चुनाव में स्थानीय मुद्दों जैसे सस्ती आवास योजना और बाल देखभाल की कमी पर जोर दिया,लेकिन इजरायल के लिए सबसे बड़ा मुद्दा उनका फिलिस्तीन समर्थक रुख है। विश्लेषकों के अनुसार, यह संकेत है कि अमेरिकी जनता, खासकर युवा डेमोक्रेट्स, अब इजरायल के प्रति पहले जैसी सहानुभूति नहीं रखती –

और यह बदलाव गाजा युद्ध और इजरायली हमलों से उपजे गुस्से के कारण तेज़ हुआ है। इजरायली अधिकारियों ने ममदानी (जो मुस्लिम हैं) पर यहूदी-विरोधी और इजरायल से नफरत का आरोप लगाया। ज्यूइश पीपल पॉलिसी इंस्टीट्यूट के विश्लेषक शमूएल रोस्नर ने लिखा- यह दिखाता है कि अमेरिका में अब 'इजरायल-विरोधी' विचारों के साथ भी चुनाव जीता जा सकता है।

इजरायल में झटका और चिंता: न्यूयॉर्क सिटी हमेशा से इजरायल का सांस्कृतिक और भावनात्मक केंद्र रहा है-यहां बड़ी यहूदी आबादी है, हिब्रू भाषा आम है, और इजरायल का वाणिज्य दूतावास बेहद सक्रिय रहता है।लेकिन

34 वर्षीय ममदानी, जो न्यूयॉर्क राज्य के विधायक रह चुके हैं, ने चुनाव अभियान में इजरायल की पारंपरिक नीतियों को खुलकर चुनौती दी।उन्होंने कहा कि-किसी भी ऐसी व्यवस्था जो यहूदियों को दूसरों पर प्राथमिकता दे, वह सार्वभौमिक मानवाधिकारों के खिलाफ है। इजरायल में इसे देश की आत्मा पर हमला माना गया है, क्योंकि यह राष्ट्र होलोकॉस्ट के बाद यहूदियों के लिए शरणस्थल के रूप में स्थापित हुआ था।

अमेरिकी फ्लाइट में भारतीय युवक ने किया कांड, 2 किशोरों पर कांटे से किया हमला अमेरिकी फ्लाइट में भारतीय युवक ने किया कांड, 2 किशोरों पर कांटे से किया हमला अमेरिका में हवाई यातायात ठप्प, 118 उड़ानें रद्द व 8700 से ज्यादा लेट ! एफएए ने जारी की चेतावनी

अमेरिका में हवाई यातायात ठप्प, 118 उड़ानें रद्द व 8700 से ज्यादा लेट ! एफएए ने जारी की चेतावनी

जापान की पहली महिला पीएम से मिलकर खुश हुए ट्रंप, टोक्यो में बोले- ये तो बहुत मजबूत हैंडशेक है... जापान की पहली महिला पीएम से मिलकर खुश हुए ट्रंप, टोक्यो में बोले- ये तो बहुत मजबूत हैंडशेक है...

फिलिस्तीनियों में खुशी की लहर

ममदानी ने गाजा में युद्ध को जनसंहार कहा और यहां तक कहा कि अगर प्रधानमंत्री नेतन्याहू न्यूयॉर्क आएंगे तो उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने संकेत दिया कि वे इजरायली उद्योग और विश्वविद्यालयों से साझेदारी समाप्त कर सकते हैं। वहीं वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनी नेताओं ने ममदानी की जीत का स्वागत किया।मुस्तफा बरगूती ने कहा-यह चुनाव परिणाम अमेरिका की नई पीढ़ी के बदलाव का प्रतीक है। अब फिलिस्तीनी मुद्दा अंतरराष्ट्रीय चुनावी बहस का हिस्सा बन गया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस जीत पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन उनकी प्रवक्ता शोश बेड्रोसियन ने कहा-इजरायल और अमेरिका के बीच रिश्ते पहले से कहीं अधिक मज़बूत हैं। यह चुनाव उस रिश्ते को कमजोर नहीं करेगा। नेतन्याहू ने फिलहाल पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपने अटूट संबंधों पर जोर दिया है, जो गाजा में इजरायल की सैन्य कार्रवाई के पूर्ण समर्थक हैं। इजरायल के प्रवासी मामलों के मंत्री अमीचाई चिकली ने सोशल मीडिया पर ममदानी की आलोचना करते हुए 9/11 हमलों की तस्वीर पोस्ट की और लिखा- न्यूयॉर्क भूल गया 9/11। उन्होंने यहूदियों से अपील की कि वे इजरायल आकर बसें। फिर भी, ममदानी ने अपनी जीत के भाषण में कहा-हम ऐसा सिटी हॉल बनाएंगे जो यहूदी न्यूयॉर्कवासियों के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा और यहूदी-विरोध के खिलाफ डटा रहेगा।

ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका में जी20 समिट का किया बहिष्कार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि वह इस महीने के आखिर में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी20 सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेंगे। इसके बाद अब ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की है कि जी20 शिखर सम्मेलन में कोई भी अमेरिकी अधिकारी हिस्सा नहीं लेगा। उन्होंने इसके पीछे का कारण वहां श्वेत किसानों के साथ किए जा रहे दुर्व्यवहार को बताया है। दक्षिण अफ्रीका से नाराज चल रहे डोनाल्ड ट्रंप ने जी20 समिट के बहिष्कार का एलान किया है। ट्रंप पहले ही कह चुके थे कि वे खुद इस महीने के आखिर में होने वाले जी-20 सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को भेजे जाने की योजना थी, लेकिन अब वे भी दक्षिण अफ्रीका नहीं जाएंगे। जेडी वेंस भी नहीं जाएंगे दक्षिण अफ्रीका ट्रंप ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह 22-23 नवंबर को दुनिया की अग्रणी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के राष्ट्राध्यक्षों के वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। इसके बाद ट्रंप की जगह उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के शामिल होने की उम्मीद थी, लेकिन वेंस की योजनाओं से परिचित एक व्यक्ति, जिन्होंने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि वेंस अब शिखर सम्मेलन के लिए वहां नहीं जाएंगे। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, यह एक पूरी तरह से अपमानजनक है कि जी-20 शिखर सम्मेलन दक्षिण अफ्रीका में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने अपने पोस्ट में अफ्रीकानर समुदाय (दक्षिण अफ्रीका के श्वेत किसान) के साथ दुर्व्यवहार का आरोप लगाया, जिसमें हिंसा, हत्या के साथ-साथ उनकी जमीन और खेतों की जब्ती जैसी घटनाएं हो रही हैं।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी के पूर्व अधिकारी ने खोली पाकिस्तान की पोल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी खुफिया एजेंसी ष्ट्ठ्ठ के पूर्व अधिकारी रिचार्ड बार्लो ने पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उनका कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति 1989 तक दावा करते रहे कि पाकिस्तान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। यही नहीं, अमेरिका ने जानबूझकर पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू विमान दिए, जबकि उन्हें पता था कि पाकिस्तान इनपर परमाणु हथियार तैनात कर सकता है। समाचार एजेंसी एएनआई के साथ इंटरव्यू के दौरान रिचार्ड बार्लो ने कई सनसनीखेज खुलासे किए हैं। उनके अनुसार, ष्ट्ठ्ठ भी पाकिस्तान के परमाणु संपन्न देश बनने से खुश नहीं था, मगर इसमें वो कुछ नहीं कर सके। रिचार्ड का कहना है, 1989 तक सभी राष्ट्रपति कहते रहे कि पाकिस्तान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। ष्ट्ठ्ठ भी इससे खुश नहीं था, लेकिन हम सुझाव देने से ज्यादा कुछ नहीं कर सकते थे। हम निर्वाचित नहीं थे। हमारा काम सिर्फ वरिष्ठ अधिकारियों को खुफिया जानकारी देना है, वहां हमारा काम खत्म हो जाता है।

अफगान-पाक वार्ता भी नाकाम, तालिबान ने दिखा दिया ठेंगा, भड़के ख्वाजा आसिफ

ढाका, एजेंसी। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पार आतंकवाद के मुद्दे पर चली शांतिवार्ता एक बार फिर बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। दो दिनों तक चली इस तीसरे दौर की वार्ता में तालिबान सरकार से लिखित प्रतिबद्धता नहीं मिल सकी कि वह पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करेगा, जो अफगान भूमि का उपयोग कर पाकिस्तान पर हमले कर रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शुक्रवार रात एक निजी टीवी चैनल से बातचीत में कहा, वार्ता पूरी तरह ठप हो चुकी है। अब चौथे दौर की कोई योजना नहीं है। आसिफ ने बताया कि मध्यस्थ देश तुर्की और कतर ने दोनों पक्षों के बीच तनाव कम करने के लिए पूरी कोशिश की,वे हमारी बात से सहमत थे, यहां तक कि अफगान प्रतिनिधिमंडल ने भी हमारी स्थिति को समझा, लेकिन वे किसी भी समझौते पर हस्ताक्षर करने को तैयार नहीं थे। उन्होंने कहा कि अफगान पक्ष मौखिक आश्वासनों की बात कर रहा था, लेकिन पाकिस्तान ने लिखित समझौते की मांग पर जोर

दिया। अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं में केवल मौखिक भरोसे पर निर्णय नहीं होते, आसिफ ने कहा। मंत्री ने चेतावनी दी कि अगर अफगान भूमि से कोई हमला हुआ तो पाकिस्तान जवाबी कार्रवाई करेगा। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जब तक कोई आक्रामकता नहीं होगी, युद्धविराम बरकरार रहेगा। इसी बीच पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्ला तारार ने कहा कि अफगान तालिबान पर यह जिम्मेदारी है कि वह आतंकवाद नियंत्रण को लेकर अपनी अंतरराष्ट्रीय, क्षेत्रीय और द्विपक्षीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करे, जिसमें अब तक वह विफल रहा है। उन्होंने कहा,पाकिस्तान को अफगान जनता से कोई दुश्मनी नहीं है, लेकिन वह तालिबान शासन के उन कदमों का समर्थन नहीं करेगा जो अफगान जनता या पड़ोसी देशों के हितों के खिलाफ हों।इन वार्ताओं की शुरुआत 29 अक्टूबर को दोहा में हुई थी, जबकि पिछली बैठकें 25 अक्टूबर को इस्तांबुल में हुईं, जो भी निष्फल रही थीं। 11 से 15 अक्टूबर के बीच दोनों देशों में हुई झड़पों में कई लोगों की मौत हुई थी, जिसके बाद यह बातचीत शुरू की गई थी।

पाकिस्तान में आतंकवादियों की खुली भर्ती

भड़काऊ बयान, रैलियों में चिल्ला रहे सरगना- आओ युवाओ आंतकी बनो

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में आतंकवादी संगठनों द्वारा खुली रैलियां करके लोगों, खासकर युवाओं और महिलाओं, को सक्रिय भर्ती के लिए भड़काने की घटनाएँ बढ़ रही हैं। बहावलपुर में आयोजित एक हालिया रैली में जैश-ए-मोहम्मद का कट्टर कमांडर मुफ्ती अब्दुल रऊफ असगर ने भी हिंदुस्तान के खिलाफ भड़काऊ बयान दिए और जिहाद को महिमामंत्र के रूप में पेश किया जिसका ऑडियो मीडिया संस्थानों के पास मौजूद है।

रैली में वक्ताओं ने खुले तौर पर जिहादी जीवन के फ़ायदों का बखान किया, गरीब और वंचित वर्ग के युवाओं को इज्जत और मकसद का वादा देकर

भर्ती करने की कोशिश की गई। आयोजकों ने धार्मिक ग्रंथों के कुछ संदर्भों का संदिग्ध व्याख्यात्मक इस्तेमाल कर हिंसा और कट्टरता को धार्मिक आदेश के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की जबकि विद्वान और धार्मिक विशेषज्ञ इसे कुरान के सही सन्दर्भ के खिलाफ बताते हैं। धार्मिक भावनाओं का दुरुपयोग और ऑपरेशन सिंदूर का प्रभाव विश्लेषकों के अनुसार ऑपरेशन सिंदूर जैसी सुरक्षा कार्रवाइयों के बाद कुछ आतंकवादी कमानें खुले प्रचार-प्रसार पर ही निर्भर हो गई हैं ताकि नए अनुयायी जुटाए जा सकें। हालांकि जनमानस में बढ़ती नाराज़गी और आतंकवाद के कारण होने वाली मौतों के बाद एक बड़ा वर्ग अब आतंकवाद के प्रति संदेह और विरोध प्रकट कर रहा है। कई नागरिक यह भी मानते हैं कि धर्म के नाम पर किए जा रहे भड़काऊ बयान वास्तविक धार्मिक शिक्षा का विकृत रूप हैं। मुफ्ती अब्दुल रऊफ असगर को जैश-ए-मोहम्मद के कुख्यात नेताओं में गिना जाता है; वह मसूद अजहर का भाई बताया जाता है और भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की 'मोस्ट वांटेड' सूची में भी शामिल रहा है। इतिहास में वह हाई-प्रोफाइल मामलों से जोड़कर देखा जाता रहा है। उसकी सक्रियता और सार्वजनिक रैलियाँ क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बनी हुई हैं। रैलियों और संगठनों का रिक्रूटमेंट सिर्फ पुरुषों तक सीमित नहीं है मसलन मसूद अजहर की बहन सईदा अजहर जैसी समर्थक-नेतृत्व महिलाओं को निशाना बनाकर गरीब महिलाओं और लड़कियों को भी भड़काने का काम चल रहा है। ये समूह अक्सर सामाजिक सहायता, शिक्षा या राहत कार्यों का आवरण देकर नई भर्ती करते हैं। स्थानीय समुदायों में भय और असुरक्षा का माहौल बढ़ रहा है।

54 लोग घायल... नमाज पढ़ते समय मस्जिद में हुआ बम धमाका

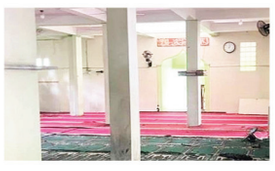

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में शुक्रवार की नमाज के दौरान भयावह बम ब्लास्ट ने पूरे इलाके को दहला दिया। नॉर्थ जकार्ता के एसएमए इलाके में स्थित एक स्कूल परिसर की मस्जिद में हुए इस धमाके में 54 लोग घायल हुए हैं। अधिकतर घायल स्कूल के बच्चे बताए जा रहे हैं, जो नमाज के वक्त वहीं मौजूद थे। स्थानीय प्रशासन ने पुष्टि की है कि यह आतंकी हमला था। हालांकि, हमले का मकसद और टारगेट अभी जांच के दायरे में है। शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि आतंकी बच्चों को निशाना बनाने की साजिश रच रहे थे। विस्फोट के बाद परिसर में अफरा-तफरी मच गई और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

पुलिस ने घटनास्थल से एक एके-47 राइफल और बुलेटप्रूफ जैकेट बरामद की हैं, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि विस्फोट के बाद गोलीबारी की भी योजना थी। पूरी मस्जिद और स्कूल परिसर को सील कर दिया गया है। मौके से मिले वीडियो फुटेज में फर्श पर खून के धब्बे और अफरातफरी का माहौल देखा जा सकता है। इंडोनेशिया में फिलहाल एक प्रमुख आतंकी संगठन 'जमाअह अंशारुत दौलाह ' सक्रिय है, जिसकी स्थापना 2015 में हुई थी। यह संगठन इस्लामिक स्टेट से प्रेरित है और वर्तमान में इसके करीब 2000 लड़ाके देश में सक्रिय बताए जाते हैं। दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम देश इंडोनेशिया में इस तरह का आतंकी हमला बेहद चिंताजनक है। करीब 27.8 करोड़ की आबादी वाले इस देश में 23 करोड़ से ज्यादा मुसलमान रहते हैं।

VYNA Electric (वयना इलेक्ट्रिक) लॉन्च – इंफ्रास्ट्रक्चर-ग्रेड गुणवत्ता एवं भरोसा, अब हर भारतीय घर में

SUGS LLOYD, जो भारत की ऊर्जा संरचना को दो दशकों से अधिक समय से मज़बूती देने में अग्रणी रहा है, ने आज अपने नए उपभोक्ता ब्रांड VYNA Electric (वयना इलेक्ट्रिक)की घोषणा की है।ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन प्रोजेक्ट्स में सफल यात्रा के आधार पर अब समूह अपनी विशेषज्ञताओं को एक आधुनिक श्रेणी कीलाइटिंग, स्विचगियर और मॉड्यूलर इलेक्ट्रिकल सॉल्यूशन्सके माध्यम से भारतीय घरों और कारोबारों तक विस्तारित कर रहा है।

VYNA Electric (वयना इलेक्ट्रिक)वास्तव में इस बदलाव का प्रतीक है, जहाँ सुरक्षा, विश्वसनीयता और बुद्धिमत्तापूर्ण डिज़ाइन एक साथ आते हैं, तो कैसे इलेक्ट्रिकल उत्पाद अब सिर्फ़ज़रूरत नहीं बल्किअनुभवबन जाते हैं।यह ब्रांड भारतीय जीवनशैली के अनुरूप एकडिज़ाइन-फ़र्स्ट दृष्टिकोणके साथ प्रस्तुत किया गया है, जिसके उत्पाद पोर्टफोलियो में COB लाइट्स, एलईडी पैनल्स, डाउनलाइटर्स, ल्यूमिनेयर्स, मॉड्यूलर स्विच, डिस्ट्रिब्यूशन बोर्ड, RCCB, MCB एवं अन्य एक्सेसरीज़ शामिल

हैं।हर उत्पाद भारतीय परिस्थितियों के अनुसार डिज़ाइन किया गया है और भारतीय तथा वैश्विक मानकों पर परीक्षणित है, जिसमें टिकाऊपन, प्रदर्शन और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है।

संतोष शाह, प्रबंध निदेशक VYNA Electric (वयना इलेक्ट्रिक)और चेयरमैन SUGS LLOYD Ltd ने कहा, "VYNA Electric(वयना इलेक्ट्रिक)हमारा उपभोक्ता व्यवसाय में प्रवेश है, जहाँ हमारी तकनीकी अनुशासनता और डिज़ाइन भारतीय सोच व जीवनशैली को और सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।ये उत्पाद भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप बने हैं।

एचडीएफसी इर्गो ने रबी सीजन में छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना लागू की

बिलासपुर। भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी सामान्य बीमा कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस को छत्तीसगढ़ सरकार ने रबी, 2025 सीजन के लिए बालोद, बलौदाबाजार, बलरामपुर, बिलासपुर, दंतेवाड़ा, दुर्ग, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, मुंगेली, रायपुर, सरगुजा और सुकमा जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया है। पीएमएफबीवाई योजना में किसानों को सूखा, बाढ़, अकाल, लैंडस्लाइड, चक्रवात, तूफ़ान, तूफ़ानी बारिश, सैलाब, कीटों, बीमारियों जैसे कई बाहरी ख़तरों के कारण फसल को होने वाले नुकसान से बीमा की सुरक्षा मिलती है। फसल के नुक़सान का आकलन करने के लिए, राज्य सरकार इस योजना के लिए अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) की योजना बनाकर संचालन करेगी। यदि सीसीई में फसल के कम आँकड़े पाए जाते हैं, तो माना जाएगा कि किसानों को फसल का नुकसान हुआ है, और इस नुकसान के लिए किसानों को क्लेम दिया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत फसल चक्र के हर चरण के लिए बीमा कवर मिलेगा, जिसमें बुआई से पहले, कटाई और कटाई के बाद के जोखिम भी शामिल हैं। पीएमएफबीवाई योजना के अंतर्गत आने वाले सभी उत्पाद छत्तीसगढ़ सरकार के कृषि विभाग से स्वीकृत हैं।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने पहली बार 800 करोड़ रुपये का त्रैमासिक राजस्व पार कर लिया

आज एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने 30 सितंबर, 2025 को समाप्त हुई दूसरी तिमाही के लिए अपने वित्तीय नतीजों की घोषणा की। बैंक का त्रैमासिक राजस्व पहली बार 19.4 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि करते हुए 800 करोड़ रुपये से अधिक हुआ है। इस तिमाही के लिए EBITDA 89.3 करोड़ रुपये था, जो पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 17.4 प्रतिशत ज्यादा है। इस तिमाही बैंक ने 11.8 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया।

बैंक की ग्रॉस मर्चेंडाईज़ वैल्यू (GMV) बढ़कर 4,560 बिलियन रुपये हो गई। इससे प्रदर्शित होता है कि ग्राहकों के बीच बैंक के सेफसैकंड एकाउंट, मर्चैंट प्रस्तावों और अन्य उत्पादों की स्वीकृति बढ़ रही है। यूज़र्स

की संख्या के मामले में एयरटेल पेमेंट्स बैंक भारत का तीसरा सबसे बड़ा मोबाईल बैंक है, जिससे इस बैंक में ग्राहकों का बढ़ता विश्वास और प्रतिभागिता प्रदर्शित होती है।

अनुब्रत बिस्वास, एमडी एवं सीईओ, एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने कहा, ''हमारे निरंतर विकास से हमारे डिजिटल-फर्स्ट मॉडल की शक्ति और हमारे ऊपर ग्राहकों का गहरा विश्वास प्रदर्शित होता है। सेफसैकंड एकाउंट हमारे विकास में मुख्य भूमिका निभा रहा है। यह ग्राहकों को अपने दैनिक डिजिटल लेन-देन आसानी और आत्मविश्वास से करने में समर्थ बनाता है।''

एयरटेल पेमेंट्स बैंक लगातार अपने सेफ सैकंड एकाउंट के प्रस्ताव पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिसके अंतर्गत बैंक ने दैनिक डिजिटल भुगतान के लिए सुरक्षित, आसान और खास पेशकश का प्रचार करने के लिए अपना पहला 360-डिग्री ब्रांड कैम्पेन लॉन्च किया है। इस कैम्पेन के लिए शानदार प्रतिक्रिया मिली है और डिजिटल एकाउंट खुलवाने में जबरदस्त तेजी आई है।

अरौद (डू) के आश्रित ग्राम में धान खरीदी की होगी जल्द वैकल्पिक व्यवस्था

किसानों की मांग पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू ने की पहल

धमतरी (समय दर्शन)। आगामी 15 नवंबर से प्रदेश सरकार द्वारा 3100 रुपए प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ की जानी है। इसी के मद्देनज़र धमतरी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत अरौद (डू) के किसान आज भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू के निज निवास पहुंचे। किसानों ने इस अवसर पर अपने क्षेत्र में धान खरीदी की वैकल्पिक व्यवस्था किए जाने की मांग रखी। किसानों ने बताया कि ग्राम पंचायत अरौद (डू) के अंतर्गत आने वाले आश्रित ग्राम – पटौद, बरबांधा, सिलतरा, कलारबाहरा, पाहारियाकोन्हा, पटेलगुड़ा, किशनपुरी, उरपुटी, कान्दरी वर्तमान में धान उपार्जन केंद्र बारगरी (सहकारी समिति क्रमांक 1123, मोंगरागहन) से जुड़े हुए हैं। यह केंद्र इन ग्रामों से लगभग 30 से 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। किसानों ने बताया कि इतनी दूरी तय कर धान बेचने जाना उनके लिए आर्थिक रूप से कठिन है, साथ ही परिवहन खर्च, समय की बर्बादी और बार-बार आने-जाने की समस्या से भी उन्हें जूझना पड़ता है।

इस कारण उन्होंने ग्राम पंचायत अरौद डू के आश्रित ग्राम पाहारियाकोन्हा पटेलगुड़ा में एक वैकल्पिक धान उपार्जन केंद्र खोलने की मांग रखी। किसानों की भावनाओं और कठिनाइयों को समझते हुए भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू ने तुरंत ही सहकारिता विभाग के मंत्री एवं विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर इस विषय को उनके संज्ञान में लाया, उन्होंने किसानों की मांग को शीघ्र ही पूरा करने की दिशा में ठोस कदम उठाते हुए धान खरीदी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था का आश्वासन दिए। किसानों ने रंजना साहू के इस संवेदनशील और त्वरित पहल के लिए हृदय से आभार व्यक्त करते हुए भूरी-भूरी प्रशंसा की।

खबर-खास

रेत खदान की इलेक्ट्रॉनिक नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) के माध्यम से

धमतरी(समय दर्शन)। खनिज रेत खदान की इलेक्ट्रॉनिक नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) के माध्यम से की जाएगी। इसके तहत जिले के धमतरी तहसील अंतर्गत दो रेत खदान मुड़पार और तेन्दुकोन्हा के उत्खनन पट्टा आबंटन के लिए आवेदनों की बिड ओपनिंग 13 नवम्बर 2025 को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में सुबह 10 बजे से की जाएगी। खनिज अधिकारी ने बताया कि संबंधित बोलीकर्ताओं को नीलामी के लिए ऑनलाईन आवेदन करने के बाद प्राप्त ईमेल पावती एवं आधार कार्ड की प्रति के साथ निर्धारित तिथि एवं स्थान पर उपस्थित होना अनिवार्य है।

एग्रीस्टैक पंजीयन में छूटे खसरों के लिए 10 से 13 नवम्बर तक विशेष शिविर

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत धान विक्रय करने वाले कृषकों के लिए शासन द्वारा सभी खसरों का एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य किया गया है। जिले में अब भी कुछ कृषकों के खसरे (फार्म आईडी) एग्रीस्टैक पोर्टल में दर्ज नहीं हो पाए हैं। ऐसे कृषकों के लिए जिले की सभी प्राथमिक कृषि साख समितियों में 10 से 13 नवम्बर 2025 तक विशेष पंजीयन शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में कृषक अपने छूटे हुए खसरा को जोड़वा सकते हैं।

जिले में विद्यार्थियों का किया जा रहा है मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले के शासकीय व अशासकीय स्कूलों में प्रतिदिन विद्यार्थियों का मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन का कार्य निरंतर किया जा रहा है। आज 39 शासकीय व अशासकीय स्कूलों में शिविर लगाकर 1446 विद्यार्थियों का मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन किया गया। 190 विद्यार्थियों का आधार अपडेशन और एक विद्यार्थी का नया आधार बनाया गया।

खेत में विद्युत टावर लगने पर समान मुआवजे की मांग, महतारी दुलार योजना का लाभ दिलाने दिया आवेदन

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन कार्यक्रम में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती सिल्ली थॉमस भी उपस्थित थीं। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 140 आवेदन प्राप्त हुए।

इसी कड़ी में ग्राम नंदकठी के किसान ने अपने खेत में विद्युत टावर लगाए जाने के एवज में मिली मुआवज़े की राशि पर आपत्ति जताई। किसान ने बताया कि उनके खेत में टावर लाइन के चार खंभे लगाए गए हैं, जिसके बदले उन्हें कम मुआवजे की राशि दी गई है, जबकि अन्य किसानों को इससे अधिक मुआवज़ा प्राप्त हुआ है। समान परिस्थितियों वाले अन्य कृषकों को अधिक भुगतान किया गया है, जिससे उन्हें आर्थिक हानि हुई है। उन्होंने समान मुआवज़ा दिलाने की मांग की। इस पर कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी(राजस्व) को परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

रिसाली सेक्टर निवासी ने अपनी पुत्री को महतारी दुलार योजना का लाभ दिलाने की मांग की। उन्होंने बताया कि पति के निधन के बाद वे मजदूरी कर परिवार चला रही हैं।

दो गाँव मे दिनदहाड़े चोरी,चोरों का सुराग नहीं

पिथौरा(समय दर्शन)। जिले में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। बीते शुक्रवार 07 नवंबर 2025 को लहरौद और कसहीबाहरा गांव में दिनदहाड़े दो अलग-अलग घरों में अज्ञात चोरों ने धावा बोलते हुए सोनेङ्कचांदी के गहनों और नगदी सहित करीब 1.50 लाख रुपये का सामान चोरी कर लिया। पीड़ितों ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

पहली घटना ग्राम लहरौद की है। पीड़ित ने बताया कि वह ग्राम देवगांव प्राथमिक शाला में सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत है। घटना वाले दिन वह सुबह घर में था जबकि उसकी पत्नी भानुमति ठाकुर ग्राम जम्हर हाईस्कूल में ड्यूटी पर गई थी और बेटी भाविका ठाकुर स्कूल चली गई थी। लगभग 12 बजे वह घर में ताला लगाकर स्टेट बैंक पिथौरा गया था।

दोपहर 02 बजे जब वह वापस घर लौटा तो देखा कि मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाकर देखा तो आलमारी का सामान बिखरा पड़ा था। घर मे सब तरफ देखा तो पता चला कि आलमारी में रखे सोने का माला, चांदी का पायल, कान के टॉप्स, सोने का लॉकेट और 5000 रुपये नगद, कुल लगभग 70,000 रुपये का सामान चोरी हो चुका है। पीड़ित ने बताया कि अज्ञात चोर ताला तोड़कर घर में घुसे और पूरा सामान लेकर फरार हो गए। उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

दूसरी घटना ग्राम कसहीबाहरा की है। जहां सब्ज़ी व्यवसाय करने वाले पीड़ित परिवार ने बताया कि वे दिनांक 07.11.2025 को दोपहर 12 बजे घर में ताला लगाकर सब्ज़ी बाड़ी गए थे। दोपहर 3 बजे लौटने पर देखा कि घर के मेन गेट का ताला टूटा हुआ है। अंदर कमरे का ताला और पेटी का ताला भी टूटा पाया गया। पेटी में रखे चांदी के 2 जोड़ी सांटी, सोने का मराठी माला, सोने का लॉकेट, सोने की खिनवा जोड़ी, सोने की पुल्ली, और 30,000 रुपये नगद सहित कुल 80,000 रुपये का सामान चोरी हो गया था। पीड़ित ने बताया कि अज्ञात चोरों ने सुनियोजित तरीके से ताला तोड़कर चोरी को अंजाम दिया। दोनों मामलों में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है। गांव में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से लोगों में दहशत का माहौल है।

जिले में अवैध शराब का कहर: नौजवानों की मौतें बढ़ीं, प्रशासन मौन?

महासमुंद(समय दर्शन)। जिले के कोमाखान थाना क्षेत्र में इन दिनों अवैध शराब की बिक्री पर नियंत्रण नहीं होने से स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। बताया जा रहा है कि महुआ शराब के साथ-साथ ओडिशा से लाई जा रही अवैध शराब की खुलेआम बिक्री हो रही है। विभागीय लापरवाही के कारण युवा वर्ग नशे की लत में बुरी तरह फंस रहा है और कई युवकों की असमय मौतें हो रही है।

हाल ही में ग्राम पटपरपाली में दो युवकों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, दोनों युवक लंबे समय से शराब के आदी थे और अकसर भटगांव व सराईपाली क्षेत्र से महुआ शराब लेने जाया करते थे।

फिर से शुरू हुई घर-घर शराब बिक्री

कुछ समय पहले सराईपाली एवं बसना क्षेत्र में महुआ शराब

बिक्री पर कार्रवाई कर रोक लगाई गई थी। लेकिन अब एक बार फिर गांवों में घर-घर शराब बननी शुरू हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस क्षेत्र के सैकड़ों युवक नशे की गिरफ्त में आ चुके हैं।

पुष्ट सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बसना,सरायपाली सहित कोमाखान थाना से महज 4 किमी दूर हाईवे किनारे खुलेआम गांजा और शराब की बिक्री हो रही है,पर प्रशासन मौन है?

हर ब्रांड की शराब उपलब

सूत्रों के अनुसार, ग्राम भिलाईदादर में देशी और अंग्रेजी दोनों तरह की शराब के लगभग सभी ब्रांड आसानी से मिल जाते हैं। यहां शराब दोगुने दामों में बेची जा रही है।

चौंकाने वाली बात यह है कि शराब बिक्री में शामिल कुछ लोगों के खिलाफ पहले भी कार्रवाई हो चुकी है, फिर भी यह धंधा बिना रोक-टोक जारी है।

कोमाखान क्षेत्र में अवैध शराब का कहर! बड़ी घटना की आशंका

सराईपाली, भटगांव, भिलाईदादर और बंधापार जैसे इलाकों में अवैध शराब का उत्पादन और बिक्री दोनों चल रहे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, घरेलू शराब में मिलाए जाने वाले रसायन और एल्कोहल की मात्रा का कोई मानक नहीं होता, जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

चौराहे के पास नशे का अड्डा

कोमाखान थाना से कुछ ही दूरी पर स्थित बागबाहरा-खरियार रोड चौखड़ी क्षेत्र में भी नशे का अड्डा पनप रहा है। यहां कई झोपड़ीनुमा दुकानों और खुमटियों ,होटलों में अवैध शराब और गांजा की उपलब्धता बताई जा रही है। आश्चर्य यह है कि यह इलाका थाना मुख्यालय से महज तीन किलोमीटर की दूरी पर है, फिर भी प्रशासन की कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आ रही है।

स्थानीय लोगों ने कार्रवाई की मांग की है

ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों ने जिला प्रशासन और पुलिस से इस पूरे नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि क्षेत्र के युवाओं को नशे के जाल से बाहर निकाला जा सके।

हिन्दू सम्मेलन हेतु विश्व हिन्दू परिषद का सतत बैठक

बसना(समय दर्शन)। बीते दिन बसना प्रखण्ड के कुदारीबाहरा खण्ड मे हिंदू सम्मेलन हेतु बैठक बरोली में श्री हनुमान चालीसा व आरती संध्या वंदन के साथ सम्पन्न हुआ।

विदित हो कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में बसना प्रखण्ड के सभी 17 खण्ड में हिंदू सम्मेलन का कार्यक्रम आयोजित होना है। इस निमित्त कुदारीबहारा खंड का बैठक बरोली में संपन्न हुआ। बैठक में हिंदू सम्मेलन के बसना प्रखंड सयोजक व विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री

बसंत देवता एवं बसना प्रखंड उपाध्यक्ष दिनेश डडसेना शामिल हुए।

कुदारीबहारा खंड में कुदारीबाहरा ,केरामुंडा ,कुरचुण्डी ,कपसाखूंटा, केहरपुर ,गणेशपुर, इंदरपुर, जेवरा, आमापाली ,हाड़ापथरा ,बरोली, मेदिनीपुर को मिलाकर कुल 12 गांव आते हैं।

जिसमें कि हिंदू सम्मेलन खंड का कार्यक्रम कपसाखुंटा में होना तय हुआ। कार्यक्रम 21 दिसंबर दिन रविवार को प्रात: 10:00 बजे से अपरान्ह 3:00 बजे तक होगा। इस तारतम्य मे कीर्तनधारा का कार्यक्रम भव्य रूप से कराया जाएगा।

हिंदू सम्मेलन केषकार्यक्रम को संपन्न करने के लिए खंड टोली का गठन किया गया । जिसमें संयोजक केशव साव ,कार्यक्रम प्रमुख लोकेंद्र प्रधान, व्यवस्था प्रमुख देवानंद साव ,प्रचार प्रसार प्रमुख दिलीप साव, कोषाध्यक्ष सुंदरमणी साव, सहसंयोजक अलेख यादव ,सह कार्यक्रम प्रमुख प्रहलाद साव, सह प्रचार-प्रसार प्रमुख नरेश साव, सह कोषाध्यक्ष मोतीलाल केहरपुर को सर्वसम्मति से दायित्व दिया गया।

हुतात्मा दिवस पर विहिप-बजरंग दल ने किया रक्तदान व रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। महावीर चौक स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर परिसर स्थित विश्व हिंदू परिषद जिला कार्यालय में हुतात्मा दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विहिप-बजरंग दल की ओर से रक्तदान एवं रक्त परीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों बजरंगियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत एवं परिचय सत्र के साथ हुई। क्षेत्रीय संयोजक विश्ववर्धन भट्ट, प्रांत संयोजक शुभम नाग प्रांत सहमंत्री नंदूराम साहू सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने उद्बोधन में श्री भट्ट ने कहा कि हुतात्मा दिवस हमें उन अमर कारसेवकों के बलिदान की याद दिलाता है, जिन्होंने श्रीराम जन्मभूमि की स्वतंत्रता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे सेवा, सुरक्षा और संस्कार की भावना से राष्ट्रहित में कार्य करें। प्रांत संयोजक शुभम नाग ने संगठन की कार्यप्रणाली और उसके आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हर बजरंगी संगठन की रीढ़ है और प्रत्येक की भूमिका राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण है। सभा के अंत में दो मिनट का मौन रखकर शहीद कारसेवकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। कार्यक्रम में प्रांत विधि प्रमुख अरुण गुप्ता, विभाग मंत्री अनूप श्रीवास, प्रांत सुरक्षा प्रमुख प्रिंस जैन, प्रांत प्रशिक्षण प्रमुख यशपाल साहू, प्रांत मिलन प्रमुख शुभम कृष्ण महाराज, विभाग सहमंत्री प्रशांत दुबे, बजरंग दल विभाग सहसंयोजक सुनील सेन, विहिप जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश अग्निहोत्री, जिला मंत्री त्रिगुण सदानी, सहमंत्री नवीन अग्रवाल, सुभाष राजपूत, कोषाध्यक्ष लव मिश्रा, बाबाजी मेश्राम, जिला संयोजक राहुल मिश्रा, सहसंयोजक अंशुल कसार, विद्यार्थी प्रमुख गगन साहू, मातृशक्ति संयोजिका अंजलि वाडेकर सहित नगर अध्यक्ष शिव वर्मा, योगेश मुदलियार, चंद्रेश जैन, जुगल भाई, अखिलेश गुप्ता, बालमुकुंद तराने, मोहित यादव, भोला, शिशिर मिश्रा, राहुल ताम्रकार आदि उपस्थित थे।

तलवार लहरा कर डराने धमकाने वाले बदमाश को गिरफ्तार

निदनी अहिवारा(समय दर्शन)। आरोपी अमन समुदे उम्र 22 साल साकिन रावण भाटा शंकर नगर थाना सुपेला जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ के द्वारा चंचल फ्यूल्स के पास नन्हे नगर टाउनशिप में धारदार तलवार हथियार लेकर लोगों को डरा धमका रहा था जिसकी सूचना नंदिनी थाना को दी गई सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पारस सिंह ठाकुर ने त्वरित कार्यवाही करने पुलिस को रवाना किया गया आरोपी को घेराबंदी कर हथियार के साथ पकड़ा गया नंदिनी थाना लाकर विधिवत कार्रवाई कर धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई तथा न्यायिक रिमांड हेतु न्यायालय में पेश किया गया। नंदिनी थाना प्रभारी पारस सिंह ठाकुर ने कहा कि हमारे क्षेत्र में अगर कोई भी तलवार या चाकू लेकर घूमते दिखते हैं तुरंत थाना को सूचित करें ताकि हम विधिवत कार्रवाई कर जेल भेजेंगे।

वरिष्ठ पत्रकार मनोज अग्रवाल नहीं रहे....

भिलाई । इस्पात नगरी भिलाई के वरिष्ठ पत्रकार सेक्टर 10, सड़क नंबर 13 क्वार्टर नंबर 2 बी निवासी न्यू प्रेस क्लब आफ भिलाई नगर के सदस्य मनोज अग्रवाल का रात्रि 12:00 बजे इलाज के दौरान आरोग्यम अस्पताल में निधन हो गया, वे 67 साल के थे, सोमवार 10 नवंबर को दोपहर 1:00 बजे उनके निवास से अंतिम यात्रा प्रारंभ होगी, रामनगर मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया जाएगा, बलौदा बाजार के मूल निवासी मनोज अग्रवाल ने देशबंधु, दैनिक भास्कर,व समवेत शिखर में लंबे समय तक सेवाएं दी है बलौदा बाजार से पत्रकारिता की शुरुआत करने वाले मनोज अग्रवाल शुरुआत में बलौदा बाजार और रायपुर में दैनिक देशबंधु के प्रतिनिधि के रूप में कार्यरत रहे फिर उनका आगमन इस्पात नगरी भिलाई में हुआ, दैनिक देशबंधु , दैनिक भास्कर, समवेत शिखर समाचारपत्र में सेवारत रहे, मनोज अग्रवाल अपने पीछे पत्नी पूनम अग्रवाल ,बेटी अनामिका- आराधना एवं पुत्र ऐश्वर्य अग्रवाल सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

टेका जंगल में जुआ खेलते 9 जुवाड़ी रंगे हाथ गिरफ्तार

मुखबिर की सूचना पर पिथौरा महासमुंद पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

पिथौरा(समय दर्शन)। पिथौरा थाना अंतर्गत ग्राम टेका के जंगल में जुआ खेल रहे 9 जुवाड़ी रंगे हाथ गिरफ्तार हुए ।

मुखबीर की सूचना पर ग्राम टेका जंगल में जुआ खेल रहे जुआडियान (1.) मनोज अग्रवाल, (2.) श्रीराम पटेल ,(3.) भेखराम साहू (4.) हेमंत साहू , (5.) तिलक यादव (6.) धनेश्वर पटेल (7.) दासोराम बरिहा (8.) फिरोज खान (9.) नरेश निषाद के संयुक्त कब्जे से नगदी रकम 32350 रूपये, 11 नग मोबाईल, 11 नग मोटर सायकल, 52 ? पत्ती तास, एक काला रंग का प्लास्टिक तिरपाल जुमला कीमती 596350 रूपये को जप्ती कार्यवाही कर मौके पर बिना नंबरी देहाती नालसी अपराध क्रमांक 0/25 धारा 3(1) छ.ग. जुआ प्रति. अधिनियम 2022, एवं धारा 112 बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।बाद मे वापस आकर असल अपराध पंजीबद्ध किया गया। देहाती नालसी थाना पिथौरा जिला महासमुंद, अपराध क्रमांक 0/25 धारा 3(1) छ.ग. जुआ प्रति. अधिनियम 2022 , 112 बीएनएस, नाम प्रार्थी- शासन की ओर से सउनि सिकंदर भोई थाना पिथौरा, दिनांक घटना समय- 08.11.2025 के 16.45बजे, घटनास्थल- ग्राम टेका का जंगल, दिनांक रिपोर्ट समय 08.11.2025 के 17.00 बजे,उपरोक्त 9जुवाड़ियों को जुआ खेलते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। ग्राम टेका में गवाह हेमलाल पटेल, लक्ष्मण पटेल निवासी टेका को जुआ रेड कार्यवाही में गवाह बनने धारा 179 बीएनएसएस का नोटिस तामिल किया गया। बाद हमराह स्टाफ एवं गवाहों के मुखबीर के बताये अनुसार ग्राम टेका जंगल पहुंचकर घेराबंदी कर 52 पत्ती तास से रूपये पैसे का दांव लगाकर हारजीत का काट पत्ती नामक जुआ खेलते 09 जुआडियों को पकडा गया।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांव जिला -जशपुर के न्यायालय मे मामला

श्रेणी: 2025100311000 37
विषय:- अ-6, मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन:- 2025-2026
पत्थलगांव प.ह.न. 00006 [11 (वार्ड क्र.02शीट-1)(6250.00 हे.)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - सिमरनजीत सिंह भाटिया आ. स्व. देवेन्द्र सिंह भाटिया, अनावेदक पक्षकार - छ.ग.. शासन,

//ईश्तहार//

एतद द्वारा समस्त आम जनता पत्थलगांव तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक सिमरनजीत सिंह भाटिया आ. स्व. देवेन्द्र सिंह भाटिया जाति सिक्ख, पेशा-व्यापार, निवासी चन्द्रा कालोनी मकान नं. 13 राजनांदगांव जिला राजनांदगांव (छ.ग.) के द्वारा नजूल टाउन पत्थलगांव स्थित स्व. देवेन्द्र सिंह भाटिया आ. सुन्दर सिंह के नाम की नजूल मेन्टनेस खसरा में दर्ज नजूल भूमि प्लाट नं. 11/1 रकबा 3125 वर्गफीट भूमि पर उसके पिता स्व. स्व. देवेन्द्र सिंह भाटिया आ. सुन्दर सिंह भाटिया का दिनांक 24.08.2024 को फौत हो जाने के कारण पत्थलगांव स्थित नजूल भूमि प्लाट नं. 11/1 रकबा 3125 वर्गफीट भूमि पर उनके पिता स्व. देवेन्द्र सिंह भाटिया आ. सुन्दर सिंह के विधिक वारिसानों का नाम दर्ज करने हेतु मय मृत्यु प्रमाण पत्र मेन्टनेस खसरा नक्शा एवं आधार कार्ड की प्रति शपथ पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 12.11.2025 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/ नजूल अधिकारी पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय / स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

1. मुख्य नगर पालिका अधिकारी पत्थलगांव को अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदाय हेतु सूचनार्थ।
2. राजस्व निरीक्षक नजूल पत्थलगांव को आवेदित भूमि का मौका/अभिलेख जाँच पंचनामा एवं मृतक के वंश वृक्ष दस्तवेज सहित प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु सूचनार्थ।
3. माल जमादार/कोटवार पत्थलगांव जिला जशपुर (छ.ग.) को उ?द्घोषणा की प्रति नगरपालिका भवन/तहसील कार्यालय पत्थलगांव के नोटिस बोर्ड में चस्पा कर प्रकाशन प्रति वापसी हेतु सूचनार्थ एवं पालनार्थ।
4. आवेदक को उद्घोषणा की प्रति दो दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशन कराकर प्रकाशन प्रति वापसी हेतु सूचनार्थ ।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 22/10/2025 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
पत्थलगांव जिला - जशपुर

//न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)//
//ईश्तहार//

राजस्व प्रकरण ब/ 121
वर्ष 2025

एतद द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशिन कराया जाता है कि आवेदक पुरूषोत्तम पिता-दुलारू यादव निवासी सांतरा तहसील -पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरी दादी स्व.खेदीबाई यादव पति स्व.लक्ष्मण यादव का मृत्यु दिनांक 19/01/2025 को ग्राम सांतरा तहसील पाटन जिला दुर्ग में मृत्यु होने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक पुरूषोत्तम पिता दुलारू यादव निवासी सांतरा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 12/11/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से आज दिनांक 02.11.2025 को जारी किया गया।

तहसीलदार
मुहर
कार्यपालन दण्डाधिकारी
पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

//न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)//
//ईश्तहार//

राजस्व प्रकरण ब/ 121
वर्ष 2025

एतद द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशिन कराया जाता है कि आवेदक इन्द्रजीत निषाद पिता-मंगलू राम निषाद निवासी खम्हरिया तहसील -पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरे मां श्रीमति फुलू बाई निषाद पति स्व. मंगलू राम निषाद मृत्यु दिनांक 06/03/2025 को ग्राम खम्हरिया प.ह.न. तहसील पाटन जिला में मृत्यु होने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक इन्द्रजीत निषाद पिता स्व. मंगलू राम निषाद निवासी खम्हरिया तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 17.11.2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 03/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
मुहर
कार्यपालन दण्डाधिकारी
पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

धान खरीदी व्यवस्था को लेकर कलेक्टर रणबीर शर्मा ने दिए सख्त निर्देश

अवैध धान परिवहन पर सतर्क निगरानी, परंतु किसानों के प्रति रखें संवेदनशीलता - कले टर

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिला पंचायत सभाकक्ष में कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा की अध्यक्षता में धान खरीदी व्यवस्था के पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण हेतु गठित आईसीसीसी (इंटेग्राटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर) तथा फ्लाइंग स्क्वाड टीमों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस बैठक में जिले के सभी संबंधित अधिकारी, नोडल अधिकारी, फ्लाइंग स्क्वाड प्रभारी एवं विभिन्न नियंत्रण दलों के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्री शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि धान खरीदी सीजन के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता, अवैध परिवहन या मिलिंग में हेराफेरी की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अवैध धान की ट्रांसपोर्टिंग पर पूरी तरह निगरानी रखनी है, परंतु किसानों के साथ किसी भी तरह का अनावश्यक व्यवहार या उत्पीड़न नहीं होना चाहिए। कलेक्टर ने आगे कहा कि कोई भी अधिकारी या दल बिना ठोस सूचना और प्रमाण के किसी किसान के घर जाकर जब्ती या जांच की कार्यवाही न करें। यदि किसी वाहन या व्यक्ति पर वास्तविक संदेह हो कि वह अवैध रूप से धान परिवहन कर रहा है, तभी जांच कर वैधानिक कार्रवाई करें। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि सभी दल रात्रिकालीन गश्त को प्रभावी बनाएं और धान खरीदी केंद्रों के आसपास संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखें। खरीदी केंद्रों में टोकन वितरण, तोल प्रक्रिया और परिवहन की निगरानी प्रणाली को भी पारदर्शी एवं समयबद्ध रखने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने कहा कि जिले में किसानों की सुविधा के लिए प्रशासन द्वारा आईसीसीसी नियंत्रण कक्ष में हेल्पलाइन नंबर स्थापित किया गया है, जहां से शिकायत या सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। बैठक के अंत में कलेक्टर श्री शर्मा ने सभी अधिकारियों से कहा कि हमारा उद्देश्य किसानों के हितों की रक्षा करते हुए, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से धान खरीदी कार्य संपन्न कराना है। शासन की मंशा है कि किसी भी किसान को असुविधा न हो और जिले में धान खरीदी की प्रक्रिया एक उदाहरण बने। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज, खाद्य अधिकारी, नोडल अधिकारीगण, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, खाद्य निरीक्षक, परिवहन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-खबर

धूमधाम से पार्षद संग जनता ने मनाया आंवला तरी उत्सव

बसना(समय दर्शन)। भारत की सनातन परंपरा के अनुसार प्रकृति के सानिध्य में मनाया जाने वाला आंवला तरी पर्व वार्ड क्रमांक 13 में पार्षद राकेश कुमार डड़सेना के नेतृत्व में और उनके सहयोग से बड़े ही धूमधाम से वार्ड वासियों ने मनाया द्य

पूजा अर्चना सभी जनों ने मिलकर किया। जिसमें पंडित भगवान दास एवं उपेंद्र देवता ने मंत्रोचार किया उसके के पश्चात समस्त वार्ड वासियों के लिए स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन की मंगल कामना पार्षद डड़सेना ने की साथ ही समस्त वार्ड वासियों को भोजन प्रसाद सहित मिष्ठान्न वितरण पार्षद द्वारा किया गया द्य

यह आयोजन सामाजिक समरसता और एकता को पिरोए रखती है यह बात जसवंत सिंग सलूजा भूपु पार्षद ने रखा द्य

साथ ही भाईचारा और सांस्कृतिक धरोहर के रूप में प्रकृति के आंवला पेड़ का पूजन और रक्षा का संदेश जनता को अतिथि वक्ता ने बौद्धिक के दौरान दिया द्य

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जनपद पंचायत बसना के सभापति प्रकाश सिंह एवं राधा कृष्ण मानस समिति के खुलू राम यादव ,शामिल प्रधान, मनोज साहू,लाखन सिन्हा, सुरेश सिन्हा, गजेंद्र यादव, आजू यादव, टिंकू डड़सेना,घनश्याम यादव,रामकुमार सिन्हा , गोपेश कुमार डड़सेना, डॉ सुनील वैष्णव , महेश देवांगन,रूपानंद सेठ आदि परिवार सहित उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने धान खरीदी में पारदर्शिता और सख्त निगरानी के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा बैठक लेकर विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने आगामी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि धान खरीदी कार्य में पारदर्शिता, किसानों की सुविधा और निगरानी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी केंद्रों की नियमित मॉनिटरिंग नोडल अधिकारी स्वयं करें और निरीक्षण रिपोर्ट प्रतिदिन प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि कोचियों-बिचौलियों पर कड़ी नजर रखी जाए तथा अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने अन्य जिलों या राज्यों से धान की अवैध खरीदी, भंडारण या परिवहन पर सख्त नियंत्रण के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि खरीदी केंद्रों में साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय की व्यवस्था और कंप्यूटर ऑपरेटरों के प्रशिक्षण दिया जाए। कलेक्टर ने उप संचालक कृषि को किसानों को पराली न जलाने एवं पैरादान करने हेतु प्रेरित करने कहा। साथ ही किसानों को फसल चक्र, मिट्टी की उर्वरता और पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया जाए। साथ ही ई-ऑफिस प्रशिक्षण को गंभीरता से लेकर कर्मचारियों की शंकाओं का समाधान करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नियमित फील्ड विजिट करें, कार्य दिवसों के साथ अवकाश दिवसों में भी फील्ड निरीक्षण करें ताकि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

आईआईटी भिलाई का पांचवां दीक्षांत समारोह संपन्न

दुर्ग (समय दर्शन)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई का पांचवां दीक्षांत समारोह सोमवार, 10 नवम्बर 2025 को परिसर स्थित नालंदा हॉल में आयोजित किया गया। इस समारोह में जम्मू और कश्मीर के माननीय उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। इस कार्यक्रम में अदाणी सीमेंट के पूर्णकालिक निदेशक एवं सीईओ श्री विनोद बाहेती विशेष अतिथि और डॉ. सुरेश हवारे गेस्ट ऑफऑनर थे। आईआईटी भिलाई के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष ने समारोह की अध्यक्षता की। दीक्षांत समारोह की शुरुआत अकेडमिक प्रोसेशन के आगमन के साथ हुई। आईआईटी भिलाई के निदेशक, प्रो. राजीव प्रकाश ने एक रिपोर्ट प्रस्तुत किया, जिसमें संस्थान की पिछले वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों और प्रगति की जानकारी दी गई। उन्होंने संकाय द्वारा किए जा रहे उन्नत शोध परियोजनाओं पर प्रकाश डाला और बताया कि संस्थान का अनुसंधान एवं विकास बजट लगभग 36 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 13.93 करोड़ हो गया है।

किकिरदा में नई शराब दुकान का ग्रामीणों ने किया विरोध,आबकारी विभाग,बिर्रा पुलिस ने दी समझाईश

हमें चाहिए कलम और पट्टी, नहीं चाहिए दारू भट्टी के लगाये नारे

जांजगीर (समय दर्शन)। जैजैपुर ब्लॉक अंतर्गत ग्राम किकिरदा में आबकारी विभाग की तरफसे प्रस्तावित नवीन मदिरा दुकान के खिलाफग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है. नवीन शराब दुकान के लिए मकान बनाने कि सूचना पर ग्रामीणों ने इसका जमकर विरोध करना शुरू कर दिया है,वही सूचना पर आबकारी विभाग,बिर्रा पुलिस कि टीम मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाईश दी जिन्हें भी विरोध का सामना करना पड़।

गौरतलब हो कि जनपद पंचायत जैजैपुर अर्न्तगत ग्राम पंचायत किकिरदा में आबकारी विभाग द्वारा नवीन शराब दुकान खोलना प्रस्तावित है,जिसका विरोध ग्रामीणों करते आ रहे हैं,इससे पहले किकिरदा के सैकड़ों ग्रामीणों ने कलेक्टर,एसपी को ज्ञापन सौंपा कर विरोध प्रदर्शन किया था वही आज शराब दुकान के लिए भवन निर्माण कि सूचना पर ग्रामीणों ने मौके पर जाकर विरोध किया वही सूचना पर आबकारी विभाग,बिर्रा पुलिस कि टीम पहुंचकर लोगों को समझाईश देते नजर आई जिसको भी विरोध का सामना करना पड़ा।

ग्रामीणों ने आशंका जताई कि शराब दुकान खुलने से क्षेत्र में अपराध, चोरी, मारपीट, गुंडागर्दी जैसी घटनाएं बढ़ेंगी. साथ ही, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ उत्पीड़न के मामले सामने आ सकते हैं. बच्चों की पढ़ाई बाधित होगी और उनमें नशे की प्रवृत्ति जन्म ले सकती है, जिससे उनका भविष्य अंधकारमय हो जाएगा. ग्रामीणों का यह भी कहना है कि किकिरदा से महज 5 किलोमीटर दूर बिर्रा में पहले से ही एक शराब दुकान संचालित है, ऐसे में नए दुकान कि आवश्यकता नहीं है।

क्यों छुपाया आरोपियों ने असल गुनहगार को....

मस्तूरी गोलीकांड के संदर्भ में

बिलासपुर (समय दर्शन)। 28 अक्टूबर को मस्तूरी में नहर के पास शाम 6:00 के लगभग जनपद उपाध्यक्ष नितेश सिंह के निजी ऑफिस में जो फायरिंग की घटना हुई उसे बिलासपुर पुलिस ने 29 अक्टूबर को ही उसे पुलिस ने सात आरोपियों को पड़कर हल करने का दावा किया। इस तारीख में जो प्रेस विज्ञप्ति जारी हुई अपराध क्रमांक 736 /25 धारा 109(3)(5) बीएनएस 25, 27 आर्म्स एक्ट पांच आरोपियों के अतिरिक्त दो को नाबालिग बताया गया था। बाद में नाबालिग को त्रुटि सुधार कर बालिक किया गया। इसी विज्ञप्ति में विश्वजीत को तारकेश्वर पाटले ने विश्वजीत को 1 लाख रुपए नगद देने और इस राशि को विश्वजीत अनंत ने आरोपियों में वितरित किया इसकी तस्दीक की जा रही है। कहां गया उसके बाद एक नवंबर को फिर से एक प्रेस विज्ञप्ति जारी हुई जिसमें कहा गया की विवेचना क्रम में दो और आरोपी पकड़े गए। पहले का नाम अकबर खान और दूसरे का देवेश सुमन उर्फ निक्कू सुमन इस तरह आरोपियों की संख्या 9 हो गई और विवेचना में एक अन्य धारा संगठित अपराध बीएनएस 111 जोड़कर विवेचना की बात कही, और इसी विज्ञप्ति में कहा गया कि अकबर खान ने नागेंद्र राय का नाम लिया।

मस्तूरी क्षेत्र में नागेंद्र राय और तारकेश्वर पाटले की मित्रता सब जानते हैं। 1 तारीख के पश्चात मस्तूरी गोलीकांड के समाचार शांत हो गए। झगड़े को ज़मीन के क्रय विक्रय अतिक्रमण करने तथा राजनीतिक वर्चस्व से जोड़ा गया।

कांग्रेस शासन के समय ही नितेश सिंह और साथियों ने 36 मॉल के सामने विश्वजीत और अन्य पर प्राण घातक हमला किया था और विश्वजीत को बुरी तरह ठुकाई की थी। प्रकरण अभी भी न्यायालय में विचाराधीन है। सवाल उठता है कि ठाकुरों के विरुद्ध विश्वजीत की ताकत इतनी कैसे बढ़ गई अपराध की दुनिया में ठाकुरों की कहानी 2001 के पूर्व से चल रही है। खुली सड़क पर इसी ऑफिस के सामने दो से अधिक कत्ल किए गए हाई कोर्ट से भी सजा बरकरार रही और उनका राजनीति के के अतिरिक्त मुख्य काम गैर कानूनी जुआ , ब्याज का है। विश्वजीत और अकबर खान जी तारकेश्वर पाटले और नागेंद्र राय का नाम लेते हैं उनका धंधा ब्याज और जुआ का नहीं है। ऐसे में प्रतिद्वंद्वी कैसे हो गए.....?

दूसरा अकबर खान की राजनीति मैं जिस गुट का विश्वसनीय सदर से रहा और अपनी ही राजनीतिक पार्टी के पेट और पीठ में छुरा मारता रहा वह किसके कहने पर था सब जानते हैं। रेलवे में उसे सफाई का ठेका किसके इशारे पर मिला इसकी भी कहानीयां है। इस कहानियों में उसकी डोर कभी भी कहीं भी किसी भी मसले में नागेंद्र राय के हाथ में नहीं रही। आखरी बार जेल जाने और जेल से जमानत पर छूटने के बाद यह तो देखा ही जाना चाहिए कि नागेंद्र राय, तारकेश्वर पाटले का अकबर खान से कितना संपर्क रहा और कैसा रहा। इस बात की पर्याप्त गुंजाइश है कि मसूरी गोलीकांड का मास्टरमाइंड और असली वित्तीय प्रबंधन कोई और है और शातिर गिरफ्तार आरोपी उसका नाम नहीं ले रहे अन्य का नाम लेकर कहानी को उलझा कर जेल चले गए। पूरी घटना की विवेचना अभी भी चल रही है पर खबरें न आना अपने आप में आश्चर्य जनक है।

जिला स्तरीय आयोजन 15 को कला मंदिर ऑडिटोरियम सिविक सेंटर भिलाई में

कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु विभागों को सौंपा गया दायित्व

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार 15 नवम्बर 2025 को महात्मा गांधी कला मंदिर ऑडिटोरियम सिविक सेंटर भिलाई में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का किया जा रहा है। उक्त आयोजन के सफल कियान्वयन हेतु अपर कलेक्टर दुर्ग श्रीमती योगिता देवांगन को सम्पूर्ण कार्यक्रम का नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर दुर्ग श्री हितेश पिस्दा तथा सहायक आयुक्त आदिवासी विकास दुर्ग श्री अविनाश श्रीवास को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए अन्य विभागों को भी दायित्व सौंपा गया है। जिसके अनुसार मुख्य अतिथि, प्रभारी मंत्री, मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण एवं अन्य जनप्रतिनिधियों एवं जनजातीय समाज प्रमुखों को आमंत्रण का दायित्व प्रोटोकॉल अधिकारी को, कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा का दायित्व पुलिस अधीक्षक दुर्ग को, स्थानीय जनजाति वर्ग के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं उनके वंशजों की सूची उपलब्ध कराने तथा अनुसुचित जनजाति के छात्र-छात्राओं को जाति प्रमाण पत्र वितरण का दायित्व अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग/धमधा/पाटन को दिया गया है। इसी प्रकार लोक निर्माण विभाग (भवन/सड़क) दुर्ग को कार्यक्रम स्थल पर स्टॉल लगाने, टेंट एवं शेड की व्यवस्था का, लोक निर्माण विभाग विद्युत एवं यांत्रिकी दुर्ग को कार्यक्रम स्थल पर विद्युत, जनरेटर, पंखे, कूलर की व्यवस्था का, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग को कार्यक्रम स्थल में चिकित्सा व्यवस्था, जिला स्तर/विकासखण्ड स्तर/प्रयास विद्यालय, विज्ञान विकास केन्द्र एवं छात्रावासों/प्रमुख स्थानों पर निःशुल्क सिकलसेल एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन, धरती आबा में सम्मिलित चार ग्रामों में संतृप्तिकरण हेतु निःशुल्क सिकलसेल परीक्षण एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के आयोजन और अनुसूचित जनजाति के हितग्राही को आयुष्मान कार्ड के वितरण का दायित्व सौंपा गया है। आदिवासी विकास दुर्ग को स्थानीय मंत्री, सांसद, विधायक एवं जनजातीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रण, नर्तक दल की व्यवस्था, तथा छात्रावासों, आवासीय विद्यालयों में साफ-सफाई, वृक्षारोपण एवं जनजातीय नायक-नायिकाओं के विषय पर संगोष्ठी, वाद-विवाद, चित्रकला, निबंध लेखन एवं भाषण आदि का आयोजन का दायित्व, उद्यानिकी विभाग दुर्ग को बुके एवं फूल माला की व्यवस्था का, परिवहन विभाग एवं नाप तौल विभाग दुर्ग को बस/वाहन की ईंधन, चालक आदि सहित व्यवस्था का दायित्व दिया गया है। इसी क्रम में शहीद वीर नारायण सिंह लोक कला महोत्सव नृत्य प्रतियोगिता के जिला स्तरीय आयोजन, सभी प्रतिभागियों, विजेताओं एवं प्रतिभावान बच्चों का सम्मान तथा मंच संचालन व्यवस्था, विद्यालयों में साफ-सफाई, वृक्षारोपण एवं जनजातीय नायक-नायिकाओं के विषय पर संगोष्ठी, वाद-विवाद, चित्रकला, निबंध लेखन एवं भाषण आदि का आयोजन का दायित्व जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग को सौंपा गया है। जन-जागरुकता यात्रा, प्रभात फेरी, प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत ग्राम स्तर, विकासखंड स्तर एवं जिला स्तर पर योजनाओं का प्रचार-प्रसार, अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास पूर्णतः प्रमाण पत्र एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के जनपद प्रतिनिधि एवं सरपंच के आवागमन की व्यवस्था तथा धरती आबा से जुड़े लघु फिल्म का प्रदर्शन का दायित्व जनपद पंचायत दुर्ग/धमधा/पाटन को दिया गया। आबकारी विभाग दुर्ग को अतिथियों को स्मृति चिन्ह की व्यवस्था का दायित्व, जलसंसाधन विभाग दुर्ग एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा दुर्ग को मुख्य मार्ग से कार्यक्रम स्थल तक फ्लैक्स एवं साज-सज्जा का दायित्व, कृषि विभाग एवं पशुपालन विभाग दुर्ग को जिले के अनुसूचित जनजाति वर्ग के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं उनके परिवार के सदस्यों, जनजातीय समुदाय के प्रमुखों आदि को आमंत्रण एवं सम्मान तथा अनुसूचित जनजाति के हितग्राही को किसान क्रेडिट कार्ड वितरण का दायित्व, खनिज विभाग दुर्ग को मोमेन्टो की व्यवस्था का दायित्व तथा जिला योजना एवं सांख्यिकी विभाग दुर्ग को सफलता एवं कहानी एवं बेस्ट प्रैक्टिसेस आदि का प्रदर्शन साथ ही अतिथियों से अनुसूचित जनजाति वर्ग के लाभार्थियों का संवाद का दायित्व सौंपा गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग दुर्ग को जलपान व्यवस्था एवं मुख्यमंत्री जी की पाती के वाचन की व्यवस्था का कार्य, समाज कल्याण विभाग दुर्ग को उक्त कार्यक्रम के दौरान की गई कार्यवाही के संबंध में सफलता की कहानी, वीडियों एवं फोटोग्राफ्स संकलित कर प्रतिवेदन 18 नवम्बर 2025 तक तैयार करना की जिम्मेदारी, श्रम विभाग दुर्ग को अनुसूचित जनजाति के हितग्राही को श्रम कार्ड वितरण का दायित्व, खाद्य विभाग दुर्ग को भोजन व्यवस्था एवं अनुसूचित जनजाति के हितग्राहियों को राशन कार्ड वितरण का कार्य, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी एवं ई-डिस्ट्रीक्स मैनेजर चिप्स दुर्ग को भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं राज्य शासन के पोर्टल पर पखवाड़ा कार्यक्रम के प्रतिदिवस की कार्यवाही को अपलोड करना (ग्राम स्तर/विकासखण्ड स्तर/जिला स्तर) का दायित्व तथा जनसंपर्क अधिकारी दुर्ग को प्रचार-प्रसार एवं विडियो, फोटोग्राफी की व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई है।

अवैध कटाई ढेंका में हरियाली पर कुल्हाड़ी, पेपर मिल के नाम पर जंगल का सौदा

वन विभाग की चुप्पी, भ्रष्टाचार की हरी झंडी ....

बिलासपुर (समय दर्शन)। ढेका गांव में बंद पड़ी एगियो पेपर एंड इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के भीतर और आसपास अवैध पेड़ कटाई का खेल खुलेआम चल रहा है। दिन में मशीनें और कुल्हाड़ियाँ चलती हैं, और रात होते ही ट्रैक्टरों में भरकर लकड़ी का माल बाहर भेजा जाता है। बताया जा रहा है कि कटे हुए वृक्षों को देवरीखुर्द के एक लकड़ी टाल में बेचा जा रहा है।स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह सिलसिला कई दिनों से जारी है, और सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह सब वन विभाग की नाक के नीचे हो रहा है। ग्रामीणों ने कई बार शिकायतें कीं, वीडियो सबूत तक दिए, लेकिन न अधिकारी पहुंचे, न कार्रवाई हुई। सवाल उठता है कि क्या विभाग ने जानबूझकर आंखें मूंद ली हैं या फिर पेपर मिल के रसूख के आगे सिस्टम झुक गया है।मामला सिर्फ पेड़ कटाई का नहीं, बल्कि सरकारी साख पर पड़े दाग का है। जब सरकार हरियाली बचाओ और ग्रीन बिलासपुर जैसे अभियान चला रही है, उसी वक्त सरकारी ज़मीन पर पेड़ों की हत्या यह साबित करती है कि नीतियाँ सिर्फ़कागज़ पर हैं, ज़मीन पर नहीं।विडंबना ये है कि कागज़ बनाने के नाम पर ही पेड़ों का कत्लेआम हो रहा है। यही पेपर मिल जो कभी विकास का प्रतीक कही जाती थी, अब विनाश का प्रतीक बन चुकी है। पेड़ों को काटकर जिस कागज़ पर पर्यावरण संरक्षण के नारे लिखे जाते हैं, वही अब ढेंका की दस्तावेज़ी गवाही बन चुके हैं।ढेंका की यह हरियाली अब दम तोड़ रही है, और जंगलों का मौन सिस्टम की मिलीभगत पर चीख रहा है। हर गिरते पेड़ के साथ प्रशासन की विश्वसनीयता भी गिर रही है। यह सिर्फ़ पर्यावरण नहीं, नीतियों की हत्या भी है।अब सवाल यही है कब जागेगा वन विभाग।क्या किसी बड़े हादसे या मीडिया दबाव के बाद ही कार्रवाई होगी? जनता जवाब चाहती है।आखिर किसके इशारे पर ये हरियाली काटी जा रही है? क्या सरकारी मौन अब भ्रष्टाचार की नई हरी झंडी बन गया है।

सरस्वती शिशु मंदिर में अभिभावक बैठक संपन्न हुआ

गरियाबंद (समय दर्शन)। श्री भूतेश्वर नाथ बाल संस्कार समिति द्वारा संचालित नगर के एकमात्र संस्कारमय वातावरण से युक्त सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गरियाबंद में कक्षा प्रथम से पंचम तक के अभिभावकों का बैठक आयोजित हुआ,जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आनंद कुमार यदु विशिष्ट अतिथि टेक राम नायक मानिक राम साहू अध्यक्षता लोकनाथ साहू (अधिवक्ताता) ,सत्य प्रकाश मानिकपुरी और सिंह बघेल (प्राचार्य) उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन गोविंद किशोर सिन्हा ने किया।प्राचार्य द्वारा इस सम्मेलन का उद्देश्य पर प्रकाश डाला। पालकों द्वारा भैया /बहनों के समय पर विद्यालय आगमन और अवकाश होने पर पालकों का हस्ताक्षर अनिवार्य हो। विद्यालय में होने वाले विभिन्न कार्यक्रम की जानकारी,तथा मूल्यांकन परीक्षा की जानकारी होनी चाहिए। , बच्चों के सर्वांगीण विकास में पालक ,शिक्षक और आचार्य की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। विद्यालय में पढ़ाई के अलावा बच्चों में राष्ट्र प्रेम, सांस्कृतिक बोध तथा अध्यात्मिक ज्ञान का भाव जागृत किया जाता है इन सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर पालकों से चर्चा किया गया।सत्य प्रकाश मानिकपुरी द्वारा भैया /बहनों में भावनात्मक विकास हो,तथा उनकी दिनचर्या पर अभिभावक को विशेष ध्यान देना चाहिए,क्योंकि बच्चों के विकास से परिवार,समाज व देश का विकास होता है?। लोकनाथ साहू द्वारा बच्चों में पढ़ाई के अलावा संस्कार होना चाहिए उनके माता-पिता ही प्रथम गुरु होते है?। वीर बालकों के जीवन से ही बच्चों में संस्कार और विकास संभव है।बच्चों में देश प्रेम और राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करना चाहिए, उन्हें मोबाइल और जंग फ्रूट खाने से बचाना चाहिए।जिससे स्वास्थ्य और मानसिक विकास हो। अभिभावकों द्वारा संस्कार देने का एकमात्र विद्यालय सरस्वती शिशु मंदिर ही है,हमारे बच्चे यहां पढ़ाई कर रहे हैं, हम गर्व महसूस करते हैं।आचार्य/दीदी के निस्वार्थ सेवा कार्य की सराहना किया गया।कार्यक्रम का आभार विद्यालय के प्रधानाचार्य योगेश कुमार साहू ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त आचार्य/दीदी और समिति परिवार का विशेष योगदान रहा।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2021-23